RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 12 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 25 डिग्री
न्युनतम तापमान 11 डिग्री

सोमवार 17 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :45 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 27 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ऐसे तो ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 17 | अंक : 031 | गाजियाबाद, सोमवार 17 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

82.53 किलो कोकीन जब्ती मामला : ईडी ने 70 लाख रुपए कैश जब्त किया, 110 बैंक खाते फ्रीज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 82.53 किलो कोकीन की जब्ती से जुड़े मामले में दिल्ली-एनसीआर और जयपुर में पांच ठिकानों पर छापे मारे। इस कार्रवाई में केंद्रीय एजेंसी ने 70 लाख रुपए की नकदी जब्त की और 110 म्यूल बैंक खातों को फ्रीज किया। ईडी के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय ने रविवार को जानकारी दी कि एक बड़े ड्रग्स तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क की चल रही जांच के सिलसिले में शुक्रवार को पांच जगहों पर तलाशी अभियान चलाया गया। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत ईडी ने छापे मारे। तलाशी के दौरान, ईडी ने 70 लाख रुपए की नकदी, कुछ अहम दश्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किए। यह मामला नवंबर 2024 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से 82.53 किलो कोकीन की जब्ती से जुड़ा है, जिसके कारण एनसीबी ने ग्लोबल ड्रग ट्रैफिकिंग सिंडिकेट में शामिल कई व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज की।

जापान में सकुराजिमा ज्वालामुखी में विस्फोट, 4,400 मीटर ऊपर तक उठे धुएं के गुबार

✷ वेबवार्ता. टोक्यो ✷। दक्षिण-पश्चिमी जापान के कागोशिमा प्रान्त में सकुराजिमा ज्वालामुखी में रविवार सुबह विस्फोट होने से 4,400 मीटर ऊपर तक धुएं का गुबार उठ रहा है। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि मिनामिडके क्रेटर में विस्फोट होने से 4,000 मीटर ऊपर तक राख और धुएं का गुबार उठा। इसमें किसी के घायल होने और इमारतों को नुकसान पहुंचने की तत्काल कोई खबर नहीं है। ज्वालामुखी में विस्फोट को देखते हुए जेएमए ने कागोशिमा, कुमामोटो और मियाज़ाकी प्रान्त के कुछ हिस्सों में राख गिरने का पूर्वानुमान लगाया है। मौसम अधिकारियों ने ज्वालामुखी गतिविधि के अलर्ट श्तर को अपने पांच-बिंदु पैमाने पर तीन पर बनाए रखा है।गौरतलब है कि जापान के दक्षिण-पश्चिमी मुख्य द्वीप दक्षिणी क्यूशू के कागोशिमा खाड़ी में स्थित सकुराजिमा तीन चोटियों वाला एक सक्रिय ज्वालामुखी है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, सात लोग मरे

✷ वेबवार्ता. इस्लामाबाद ✷। इस्लामाबाद, 16 नवंबर (वार्ता) पाकिश्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी और सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राहत एवं आपातकालीन बचाव टीम 1122 सिंध के प्रवक्ता हसन उल हसीब ने बताया कि यह विस्फोट शनिवार शाम हैदराबाद ज़िले के लगहारी गोठ में हुआ। उन्होंने कहा, 'विस्फोट के बाद भीषण आग ने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया।' बचाव दल ने मलबे से शव निकाले और घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुँचाया। घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्फोट के कारणों की जाँच की जा रही है।

युवाओं तक सकारात्मक कार्य पहुंचाये मीडिया, ताकि उनमें उत्साह और आशा बढ़े : उपराष्ट्रपति

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि मीडिया का कर्तव्य है कि वह देश में हो रहे सकारात्मक कार्यों को युवाओं तक पहुंचाए, ताकि उनमें उत्साह और आशा का वातावरण बने। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य उन लोगों को आवाज देना है, जिनकी आवाज समाज में कम सुनी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया नशीले पदार्थों से मुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि वह जनजागरूकता बढ़ाता है और जिम्मेदार सार्वजनिक विमर्श को बढ़ावा देता है।

नीतीश 10वीं बार लेंगे शपथ, पुराने फॉर्मूले पर मंत्रालयों का बंटवारा

✷ वेबवार्ता. बिहार ✷

विधासभा चुनाव परिणाम के बाद बिहार में सरकार गठन का फॉर्मूला तय हो गया है। भाजपा-जदयू के बीच छह विधायकों पर एक मंत्री का फार्मूला लागू होगा। नीतीश कुमार 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भाजपा, जदयू, लोजपा (आर), हम और आरएलएम को मंत्री पद मिलेंगे। सोमवार को नीतीश इश्तीफा देंगे और 20 नवंबर तक नई सरकार शपथ ले सकती है।

बिहार में सरकार गठन के फॉर्मूले पर भाजपा और जदयू में सहमति बन गई है। नीतीश कुमार 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ शनिवार देर रात जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की बैठक में छह विधायक पर एक मंत्री के फॉर्मूले पर आगे बढ़ने का फैसला हुआ।

लोजपा (आर) के साथ छह विधायक से कम संख्या वाली हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा

(हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को भी सरकार में प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा नेतृत्व ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगियों चिराग पासवान, जीतनराम मांझी व उपेंद्र कुशवाहा से भी चर्चा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर रविवार को आला नेताओं की बैठक में नई सरकार की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। लोजपा (आर) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि सरकार को लेकर बातचीत चल रही है।

नीतीश ने सोमवार सुबह मंत्रिपरिषद की अंतिम बैठक बुलाई है। इसके बाद वह राज्यपाल को इश्तीफा सौंप देंगे। मंगल या बुधवार को एनडीए विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना जाएगा और बृहस्पतिवार को नई सरकार का गठन हो सकता है। शपथ समारोह पटना के गांधी मैदान में होगा। 17 से 20 तारीख तक मैदान में आम लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है।

9 सीटों वाली भाजपा के हिस्से में 15, 85 सीटों वाले जदयू के 14, 19 सीटों वाली लोजपा (आर) के तीन और हम व आरएलएम के हिस्से में एक-एक मंत्री पद आएगा। भाजपा पहले की तरह दो डिप्टी सीएम बनाएगी। जीत के सूत्रधार रही महिला बिरादरी से डिप्टी सीएम हो सकती है। अब सबसे पहले पांच पांडव, यानी भाजपा, जदयू, लोजपा-आर, हम व आरएलएम अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करेंगे। फिर एनडीए की बैठक में सीएम चुना जाएगा।

चुनाव आयोग : मतदाता विवरण डिजिटलीकरण की समय सीमा नवंबर तक बढ़ी

✷ वेबवार्ता. कोलकाता ✷

चुनाव आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गणना प्रपत्रों के माध्यम से एकत्रित मतदाता विवरणों के डिजिटलीकरण को पूरा करने के लिए नवंबर के अंत तक की समय सीमा तय की है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार, बूथ श्तर पर पहले से ही चल रहे डिजिटलीकरण कार्य में अब तक लगभग 50 लाख फॉर्म शामिल हो चुके हैं। सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर यूनीवार्ता को बताया, 'आयोग के निर्देशानुसार रविवार से डेटा प्रविष्टि की गति बढ़ायी जायेगी। पूरी प्रक्रिया महीने के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है।'

राज्य के सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार शाम को जिलाधिकारियों (जो जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में भी काम करते हैं) और उनके अधीनस्थ चुनाव अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक के दौरान समय सीमा को अंतिम रूप दिया गया। ईसीआई के वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअली तरीके से बैठक में शामिल हुए। ईसीआई की चार सदस्यीय टीम चार नवंबर से शुरू हुई संशोधन प्रक्रिया की प्रगति का आकलन करने के लिए 18 से 21 नवंबर तक पश्चिम बंगाल का दौरा करेगी।

प्रतिनिधिमंडल में उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती, प्रमुख सचिव एस. बी. जोशी और मलय मलिक, और उप सचिव अभिनव अग्रवाल शामिल होंगे। चार दिवसीय प्रवास के दौरान ईसीआई की टीम कोलकाता, दक्षिण 24 परगना, नादिया, मुर्शिदाबाद और मालदा में एसआईआर कार्यान्वयन की समीक्षा करेगी। गौरतलब है कि यह इस महीने ईसीआई टीम का दूसरा दौरा होगा।

पीएम ने बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर इंजीनियरों और कर्मचारियों से की बातचीत

✷ वेबवार्ता. सूरत ✷

गुजरात में देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से किया जा रहा है।

इस बीच बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति का भी जायजा लिया। इसके लिए पीएम मोदी सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने काम में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत भी की।

रविवार को इससे संबंधित एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें पीएम मोदी सूरत स्टेशन पर काम की बारीकी से जांच करते हुए नजर आए। उन्होंने काम में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने पूछा कि काम में किसी तरह की परेशानी तो नहीं आ रही है और प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए किस तरह से काम किया जा रहा है?

इस दौरान कर्मचारियों ने बताया कि हर श्तर पर पूरी मेहनत और बारीकी के साथ काम किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कर्मचारियों की मेहनत की सराहना की और कहा कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ गुजरात बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना देश के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को आधुनिक बनाने में एक अहम कदम है और इससे यात्रियों को तेज और सुविधाजनक सफर मिलेगा।

गौरतलब है कि मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर अहमदाबाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, ठाणे और मुंबई जैसे बड़े शहरों को जोड़ता है। इससे न सिर्फ मुंबई और गुजरात के बीच यात्रा सुगम होगी, बल्कि व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस परियोजना में मुंबई से अहमदाबाद बाद के बीच कुल 12 स्टेशन होंगे। गुजरात में आने वाले हिस्से का काम काफी तेजी से चल रहा है। जल्द ही इसका ट्रायल भी शुरू किया जा सकता है।

पूरी परियोजना के बाद मुंबई-अहमदाबाद की यात्रा केवल दो घंटे में पूरी हो जाएगी, जिससे मुंबई और अहमदाबाद के बीच रोज अपडाउन करने वालों को काफी राहत मिलेगी।

तीनों सेनाओं की सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा : सीडीएस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सशस्त्र बलों के एकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक सेवा ''अपनी व्यक्तिगत पहचान'' बनाए रखेगी और उनकी सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा।

सीडीएस जनरल चौहान ने यहां शनिवार को आयोजित एक संवाद सत्र में हाल में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के उदाहरणों का भी हवाला दिया। इस ऑपरेशन ने तीनों सेनाओं – थलसेना, नौसेना और वायुसेना – के बीच एकजुटता को प्रदर्शित किया। वह रक्षा थिंक-टैंक यूएसआई द्वारा 14 नवंबर एवं 15 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय भारतीय सैन्य विरासत उत्सव में शामिल हुए। सीडीएस जनरल चौहान ने अपनी नई किताब 'रेडी, रेलेवेंट एंड रिसर्जेंट 2: शेपिंग ए फ्यूचर रेडी फोर्स' पर केंद्रित संवाद के दौरान संकेत दिया कि जल्द ही इसका तीसरा खंड भी आएगा जिसमें ऑपरेशन सिंदूर संबंधी विवरण भी होंगे।

सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में एकजुटता और एकीकरण हासिल करने के सरकार के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की गई भारत की सैन्य कार्रवाई और इन सटीक हमलों से पहले के दिनों के कुछ उदाहरण दिए।

भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिश्तान और पाकिश्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकवादी ढांचों पर सात मई को हमला किया था। सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि एकीकरण के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रयास जारी हैं लेकिन प्रत्येक सेवा ''अपनी व्यक्तिगत पहचान बनाए रखेगी'' क्योंकि यह हर सेवा की एक विशिष्ट भूमिका होने के कारण महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''हम प्रत्येक सेवा से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं... हम लघुत्तम समापवर्तक (एलसीएम) नहीं, बल्कि महत्तम समापवर्त्य (एचसीएफ) अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।''

सीडीएस ने कहा कि 22 अप्रैल से सात मई की अवधि के दौरान इस बात का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता थी कि ''हमारी किन संपत्तियों की आवश्यकता है'' जिन्हें पश्चिमी सीमा पर ले जाना था और इसके लिए हवाई मार्ग से काफी आवाजाही की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि यह ''निर्बाध रूप से'' किया गया।

सीडीएस ने यह भी रेखांकित किया कि एकीकरण के लिए तीनों सेनाओं के पास सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइल (एमआरएसएएम) और ब्रह्मोस जैसे साझा उपकरण हैं। अधिकारी ने बताया कि नौसेना ने भी ''सीमा पार कुछ हमलों'' में भाग लिया था।

सीडीएस ने नियोजित एकीकरण (थियेटराइजेशन) के अनुरूप सेना में ''संयुक्त संस्कृति'' को बढ़ावा देने की भी बात कही। जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध को समझने में, विशेष रूप से उग्रवाद और आतंकवाद विरोधी अभियानों में भौतिक भूगोल के साथ-साथ ''मानव भूगोल'' (मानव समाज और पर्यावरण के बीच के जटिल संबंधों का अध्ययन करने वाली भूगोल की शाखा) भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

ब्राजील में तीसरे अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. साओ पाउलो ✷

ब्राजील के साओ पाउलो में 14-15 नवंबर को स्वामी विवेकानंद स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी) और कोनायुर ने संयुक्त रूप से तीसरे अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के संयोजन में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में ब्राजील में आयुर्वेद के 40 वर्ष पूरे होने को याद किया गया और इसमें लैटिन अमेरिका और भारत के विशेषज्ञों, चिकित्सकों, विद्वानों और छात्रों ने भाग लिया। यह सम्मेलन 'आयुर्वेद में विविधता और समावेशः प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक प्राणी की देखभाल' विषय पर केंद्रित था। कोनायुर ब्राजील का जाना माना आयुर्वेदिक संस्थान है।

सम्मेलन का उद्घाटन ब्राजील में भारत के राजदूत दिनेश भाटिया ने किया। उन्होंने पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में भारत और ब्राजील के बीच बढ़ते सहयोग के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की वैश्विक प्रासंगिकता वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से सुदृढ़ हो रही है। यह 17 से 19 दिसंबर 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी विश्व स्वास्थ्य संगठन-आयुष मंत्रालय वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन में और भी स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त होगी।

श्री भाटिया ने आयुर्वेद को आधिकारिक रूप से मान्यता देने वाले पहले दक्षिण अमेरिकी देश के रूप में ब्राजील के अग्रणी योगदान की सराहना की और ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन की हाल ही में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली की यात्रा को द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने में एक मील का पत्थर बताया। आयुष मंत्रालय के सचिव, डॉ. (वैद्य) राजेश कोटेचा ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि आयुर्वेद समावेशिता, करुणा और शरीर, मन एवं पर्यावरण के समग्र संतुलन का प्रतीक है।

शिक्षा का अधिकार सकारात्मक कार्रवाई का उदाहरण, इसने लोगों का जीवन बदला : पूर्व सीजेआई यू यू ललित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पूर्व प्रधान न्यायाधीश यू यू ललित ने कहा कि शिक्षा का अधिकार एक मौलिक अधिकार बन गया है और यह सकारात्मक कार्रवाई का एक उदाहरण है जिसने नागरिकों के जीवन को बदल दिया है।

राज्यसभा सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के ऑनलाइन शो 'दिल से विद कपिल सिब्बल' की 100वीं कड़ी प्रसारित होने के उपलक्ष्य में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने शिक्षा के अधिकार की इसके समावेशी स्वरूप के लिए सराहना की।

उन्होंने कहा, ''जब हमें आजादी मिली थी तब देश के 18 प्रतिशत से भी कम लोग साक्षर थे। साक्षरता दर जो लगभग 18 प्रतिशत थी आज वह कम से कम 80 प्रतिशत है और इसकी शुरुआत संविधान से हुई।''

न्यायमूर्ति ललित ने कहा कि संविधान निर्माताओं के दो विचार थेः पहला यह कि राज्य अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार प्रत्येक नागरिक को शिक्षा में सुधार के अवसर प्रदान करे और दूसरा यह कि राज्य 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि एक निजी चिकित्सा संस्थान की उच्च 'कैपिटेशन फीस' से संबंधित 1992 के मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य मामले में शीर्ष अदालत ने माना था कि शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकारों का एक अनिवार्य पहलू है।

प्रवेश के लिए या किसी भी शैक्षिक सेवा के लिए आधिकारिक शुल्क से अतिरिक्त राशि लेने को 'कैपिटेशन फीस' कहते हैं, यह अक्सर उन संस्थानों में होता है जहां प्रवेश पाना कठिन होता है।

IICA में डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में डिजिटल विकास पर हुई चर्चा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) में आयोजित डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना संस्थान (बीआईएसएजी एन) के विशेष महानिदेशक विनय ठाकुर ने डिजिटल शासन, साइबर सुरक्षा, उत्तर क्वांटम कूटलेखन और भारत की विकसित होती डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर कहा कि सुरक्षित प्रौद्योगिकियां और भविष्य के डिजिटल कौशल आज भारत के सामाजिक आर्थिक विकास की जरूरत बन चुके हैं।

आईआईसीए द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव के बीच भावी पेशेवरों को सुरक्षित और सक्षम तकनीकी समझ विकसित करना समय की मांग है। विनय ठाकुर ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को विश्व की सबसे मजबूत प्रणालियों में से एक बताया। उन्होंने आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, भारतनेट, को विन, उमंग, मेघराज क्लाउड और बीआईएसएजी एन के भू स्थानिक मंचों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने शासन, सार्वजनिक सेवाओं और नागरिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी है।

संक्षिप्त समाचार

नासिक के गोविंद नगर इलाके में मिला संदिग्ध बैग

नासिक , एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक में गोविंद नगर इलाके में एक संदिग्ध बैग मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद बीडीडीएस (बम निरोधक दस्ता) और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे और बैग की जांच की। पुलिस का कहना है कि कुछ भी संदिग्ध बरामद नहीं हुआ। अंबड पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर जे राजपूत ने कहा कि हमें इंदिरानगर अंडरपास के पास कुछ संदिग्ध वस्तु मिलने की सूचना मिली थी। आगे बोले कि हम मौके पर पहुंचे और इलाके को खाली करा दिया... बीडीडीएस को बुलाया गया और संदिग्ध वस्तु की जांच की गई। इंस्पेक्टर जे राजपूत ने कहा कि बैग में जन्मदिन की पार्टी से जुड़ी चीजें थीं। कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे कोई अफवाह न फैलाएं।

तेलंगाना में दो शीर्ष माओवादियों समेत आठ ने डाले हथियार

जगदलपुर , एजेंसी। तेलंगाना माओवादी राज्य कमेटी के दो शीर्ष हिंसकों सहित आठ माओवादियों ने वारंगल पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार ये सभी माओवादी दो दिन पहले ही गुपचुप तरीके से समर्पण कर चुके हैं। सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है। आत्मसमर्पण करने वालों में सबसे प्रमुख नाम कोय्यादी संबय्या उर्फ आजाद का है। उसका संगठन में प्रभाव और पकड़ बेहद मजबूत मानी जाती थी। इसके अलावा अब्बास नारायण उर्फ रमेश ने भी हथियार डाले हैं। वह माओवादी तकनीकी टीम का प्रभारी था। इस बीच छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि माओवादी हिंसा अपनी अंतिम सांसें गिन रही है। इसका प्रमाण पिछले दो वर्षों में 2,000 से अधिक माओवादियों द्वारा हथियार डालना है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय राज्य की प्रभावी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को दिया।

सनातन विचार ही एकात्म मानव दर्शन है, एक कार्यक्रम में बोले मोहन भागवत

जयपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ.मोहन भागवत ने कहा है कि सबका हित साधते हुए अपना विकास करना, यह वर्तमान समय की आवश्यकता है। पूरे विश्व में अनेक बार आर्थिक उठापटक होती है। लेकिन, भारत पर इसका असर सबसे कम होता है, क्योंकि भारत के अर्थतंत्र का आधार यहां की परिवार व्यवस्था है। उन्होंने कहा,सनातन विचार ही एकात्म मानव दर्शन है। इस एकात्म मानव दर्शन में अतिवाद नहीं है। डॉ. भागवत शनिवार को एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से वर्तमान वैश्विक दृश्य एवं एकात्म मानवदर्शन विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देश,काल एवं स्थिति के अनुसार एकात्मक मानव दर्शन का नया नाम लोगों के समक्ष रखा है। 60 वर्ष बाद भी वर्तमान समय में यह एकात्मक मानव दर्शन पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक है। एकात्मक मानव दर्शन को एक शब्द में समझना है तो वह शब्द धर्म है। इस धर्म का अर्थ रिलिजन,मत,पंथ और संप्रदाय नहीं है। इस धर्म का तात्पर्य गंतव्य से है। सब की धारणा करने वाला धर्म है। धर्म में अनुशासन चाहिए। वर्तमान समय में दुनिया को इसी एकात्म मानव दर्शन के धर्म से चलना होगा।

नूंह में 10 दिन किराये पर रहा डॉ. उमर, अल-फलाह ने डॉक्टरों से लिए थे रिजाइन

नूंह/फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस की जांच में डॉक्टरों के टेरर मॉड्यूल को लेकर रोज नए-नए और बेहद चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच एजेंसियों ने शनिवार को हरियाणा के नूंह में अलग-अलग हिस्सों में छापेमारी की। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी डॉ. उमर ने हिदायत कॉलोनी में 10 दिनों के लिए एक कमरा किराये पर लिया था। यह मकान अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े एक इलेक्ट्रिशियन की साली का है और उसी के कहने पर डॉक्टर उमर को मकान किराये पर दिया गया था। सीसीटीवी में भी उमर की सफेद कार दिखाई दी है।

मकान मालकिन के परिवार सहित गायब होने के चलते घर पर ताला लटका मिला। जांच एजेंसियां उसका डेटा खंगाल रही हैं। यूनिवर्सिटी के एक इलेक्ट्रिशियन की गिरफ्तारी के बाद जांच और तेज हो गई है।

वहीं, जांच एजेंसियों ने फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा नया खुलासा किया है। उनके अनुसार यूनिवर्सिटी ने अपनी छवि बचाने के लिए आरोपी डॉक्टर उमर और डॉक्टर मुजम्मिल से बैक डेट में त्याग पत्र ले लिए थे। इस खुलासे के बाद एजेंसियों ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अल-फलाह यूनिवर्सिटी के अन्य रिकॉर्ड के साथ छेड़खानी का शक भी यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर गहरा गया है। यूनिवर्सिटी के काफी रिकॉर्ड को कब्जे में ले लिया है और उसकी बारीकी से जांच की जा रही है। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर भूपिंदर कौर आनंद ने मीडिया को लिखित बयान जारी किया।

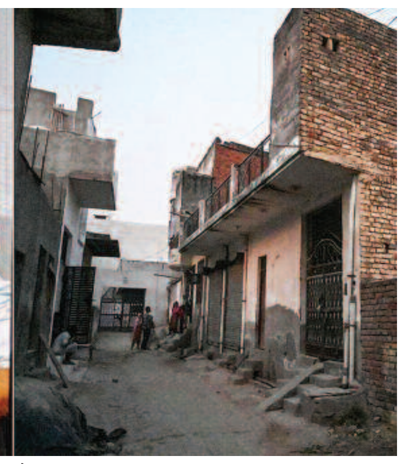

साजिशकर्ता का रूट खोजने में जुटीं एजेंसियां: धमाके के साजिशकर्ता और फरीदाबाद मॉड्यूल के संदिग्धों की जांच में जुटी एजेंसियां दर्जनभर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही हैं। ये सभी दिल्ली के बाहर के नंबर वाली गाड़ियां हैं और धमाकास्थल के आसपास थीं। जांच में धमाका में इस्तेमाल की गई आई-20 कार, लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट और एक ब्रेजा कार शामिल है, जिन्हें अलग-अलग स्थानों से बरामद किया जा चुका है। एजेंसियों को शक है कि फिदायीन उमर के अलावा भी कुछ संदिग्ध अन्य कारों में मौजूद थे। इसी वजह से लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

डायरी में मिले 25 नाम जांच के दायरे में अल-फलाह यूनिवर्सिटी से बरामद डायरी और अमोनियम नाइट्रेट मिलने वाली जगह से मिली नोटबुक में करीब 25 नाम मिले हैं। ये सभी अब जांच के दायरे में हैं।

ज्यादातर संदिग्ध्ध जम्मू-कश्मीर और फरीदाबाद के एजेंसियों को शक है कि संदिग्ध वाहनों में इनमे से कुछ लोग सवार हो सकते हैं। इनमें से ज्यादातर जम्मू-कश्मीर और फरीदाबाद के रहने वाले बताए जा रहे हैं। चूंकि इनके नाम फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़ी डायरी और नोटबुक में दर्ज थे, इसलिए माना जा रहा है कि ये भी मॉड्यूल का हिस्सा रहे होंगे। संदिग्ध वाहनों की पहचान और उनकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए धमाकास्थल से जुड़ी सड़कों का तीन किलोमीटर दायरे तक रूट मैपिंग की जा रही है। एजेंसियां 250 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज को बार-बार खंगाल रही हैं, ताकि पता चल सके कि फिदायीन उमर के अलावा और कौन लोग साजिश में शामिल थे। जांच एजेंसियों ने पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करने वाले और आसपास दिखाई देने वाले प्रत्येक संदिग्ध वाहन की सूची तैयार की है। वाहनों की पंजीकरण संख्या के आधार पर उनके मालिकों और चालकों से पूछताछ की जा रही है। जब उमर ने कार पार्क की थी।

दफ्तर में कुर्सी तोड़ने से नहीं चलेगा काम, फील्ड में निकलकर करें काम

गाजियाबाद , एजेंसी। मोदीनगर। मोदीनगर तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें डीएम गाजियाबाद रविंद्र कुमार मांदड़ ने लोगों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान खेत में चकरोड पर कब्जे की शिकायत लेकर युवक पहुंचा। यह मामला एक साल से लंबित था। इसपर डीएम ने संबंधित कानूनगो को मौके पर बुलाया और फटकार लगाई।

उन्होंने कहा दफ्तर में कुर्सी तोड़ने से काम नहीं चलेगा, फील्ड में निकलकर काम करना होगा। एक साल से सरकारी चकरोड पर कब्जा है लेकिन किसी को शर्म तक नहीं है। उन्होंने कहा कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। यह अंतिम चेतावनी है।सरकारी जमीन पर किसी सूरत में कब्जा बर्दाश्त नहीं होगा

महीने के पहले व तीसरे शनिवार को तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित होता है। जिसमें पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी जनसुनवाई करते हैं। सुबह करीब साढ़े 11 बजे डीएम गाजियाबाद पहुंचे और सुनवाई शुरू की। इस दौरान नंगला अमीरपुर से जयकरन ने मंदिर की जमीन पर प्रधान द्वारा कब्जे का आरोप लगाया। इसपर डीएम ने जांच कमेटी गठित की, जिसमें डीपीआरओ, लेखपाल व भोजपुर थाना प्रभारी को रखा गया।

इस दौरान राष्ट्रीय लोकदल के पदाधिकारी भी पहुंचें। उन्होंने कहा कि रजवाहों की सफाई में लापरवाही बरतीं जा रही है। जगह-जगह रजवाहे गंदगी से अटे हुए हैं। इसपर डीएम ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को बुलाकर जरूरी निर्देश दिये। गदाना की महिला ने मारपीट के मामले में गिरफ्तारी नहीं होने का आरोप लगाते हुए शिकायत दी। जिसपर पुलिस को निर्देश दिये। संपूर्ण समाधान दिवस दोपहर दो बजे तक जारी रहा। इस दौरान 103 शिकायतें आई, जिनमें चार का मौके पर समाधान कराया गया। शेष शिकायतें संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित कर जल्द से जल्द निस्तारण के आदेश दिये गए। संपूर्ण समाधान दिवस में स्थानीय लोगों ने बंदरों की समस्या का मुद्दा भी डीएम के सामने उठाया। बंदरों के आतंक को लेकर शिकायती पत्र भी दिया। इसपर डीएम ने नगरपालिका मोदीनगर के ईओ को बुलाया। ईओ बोले..डीएम सर रोजाना 20 से 25 बंदर पकड़े जा रहे हैं। अलग-अलग कालोनियों में अभियान चालू है। उन्होंने डीएम को अभियान के फोटो भी दिखाए।

राजभवन में हथियार और गोला-बारूद बांटे जाने का आरोप

कोलकाता , एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा राजभवन में हथियार और गोला-बारूद बांटे जाने के आरोपों पर राजभवन ने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए उन्हें इसे साबित करने की चुनौती दी है।

शनिवार को बनर्जी द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद राजभवन ने देर शाम एक बयान जारी कर कहा कि राजभवन सांसदों, नागरिक समाज के सदस्यों और पत्रकारों के लिए खुला है, जिनकी संख्या 100 से ज्यादा न हो, वे रविवार सुबह-सुबह ही राजभवन आएं और जांच करें कि क्या सांसद द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार कोई हथियार और गोला-बारूद जमा है।

राजभवन ने कहा कि अगर यह आरोप सही नहीं है, तो सांसद बंगाल की जनता से माफी मांगें और नफरत फैलाने वाले भाषण के लिए मुकदमे का सामना करने के लिए तैयार रहें।

बयान में कहा गया कि चूंकि कोलकाता पुलिस राजभवन की सुरक्षा कर रही है, इसलिए तुरंत जांच की जा सकती है कि उन्होंने कथित तौर पर राजभवन में हथियार और गोला-बारूद लाने की अनुमति कैसे दी, जो जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त राज्यपाल और उनके राजभवन के कर्मचारियों के लिए खतरा है।

राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस के सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें राजभवन में अवैध हथियारों और गोला-बारूद की जांच पूरी होने तक राजभवन छोड़कर किसी सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी। हालांकि राज्यपाल ने कहा कि चाहे कुछ भी हो, मैं राजभवन में ही रहूंगा। मालूम हो कि अक्सर विवादित टिप्पणियों के जाने जाने वाले श्रीरामपुर से तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने दिन में पत्रकारों से कहा कि बंगाल के राज्यपाल से कहिए कि वे राजभवन में भाजपा के अपराधियों को न आने दें। उन्होंने आरोप लगाया कि वह (राज्यपाल) उन्हें वहां रख रहे हैं और उन्हें हथियार और गोला-बारूद दे रहे हैं ताकि वे जाकर तृणमूल कार्यकर्ताओं पर हमला कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक ऐसा राज्यपाल पद पर रहेगा, बंगाल में कुछ भी अच्छा नहीं होगा।

बिहार में जेडीयू के बिना भी सरकार बना सकती है भाजपा? नीतीश के करीबी संजय झा ने कहा

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली ऐतिहासिक जीत और 200 से अधिक सीटों का जादुई आंकड़ा पार करने के बाद राजनीतिक हलचल तेज है। इसबार के चुनावी आंकड़ों को देखने के बाद कयासों का बाजार भी गर्म है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि बिहार की 243 सीटों में से सबसे ज्यादा बीजेपी ने 89 सीटें जीती हैं। वहीं सहयोगी दल जनता दल यूनाइटेड को 85 सीटें मिली हैं। सीटों की संख्या में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसके बाद से कुछ लोगों का दावा है कि भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाएगी। हालांकि, जेडीयू ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू के

दौरान ऐसे तमाम अटलकों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए एकजुट है। चिराग पासवान की लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 19 सीटें मिली हैं। वहीं, जीतनराम मांझी की हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) को पांच सीटें, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा चार सीटें जीतने में सफल रही है। ऐसे में यह संख्या 202 तक पहुंच जाती है। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। लालू यादव की पार्टी को सिर्फ 25 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। वहीं सहयोगी दल कांग्रेस को छह सीटें मिली हैं। इसके अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन को दो सीटें मिली हैं। असदुद्दीन औवेसी की पार्टी एआईएमआईएम पांच सीटें जीतने में कामयाब रही है। इसके अलावा इंडियन इन्क्लुसिव पार्टी, माकपा और बहुजन समाज पार्टी को एक-एक सीट मिली है। संख्या को देखते हुए कयासों का बाजार गरमाया हुआ है। नीतीश के बिना भाजपा के सरकार चलानी की अटकलें लगाई जा रही हैं। एक थ्योरी यह भी गढ़ी जा रही है कि नीतीश कुमार और विपक्ष के तमाम दलों के साथ सरकार बन सकती है। उसमें ओवैसी का भी साथ रहे। इन तमाम अटकलों को लेकर संजय झा से सवाल पूछे गए। उनसे पूछा गया कि क्या बिना जेडीयू के भी सरकार बना सकती है बीजेपी? क्या नीतीश ही पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे?

कम नशे वाली भांग से बनेगी कैंसर की दवा, मोटापा भी घटाएगी; किसानों की बढ़ेगी आय

लखनऊ , एजेंसी। सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) लखनऊ के वैज्ञानिकों ने आठ वर्ष की अथक मेहनत के बाद एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सीमैप ने कम नशे और उच्च औषधीय गुणों से भरपूर कैनाबिस (भांग) की एक नई प्रजाति तैयार की है, जिसका परिसर में ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

नारकोटिक्स कानून के अनुरूप: इस शोध को फूड रिसर्च इंटरनेशनल पत्रिका में भी प्रकाशित किया गया है। वैज्ञानिक डॉ. बीरेंद्र कुमार ने बताया कि इस नई किस्म में साइकोएक्टिव तत्व टेट्राहाइड्रो-कैनाबिनोल (टीएचसी) के स्तर को 0.3 प्रतिशत से नीचे लाया गया है। 0.3 फीसदी से कम टीएचसी होने के कारण यह प्रजाति नारकोटिक्स कानून के मानकों के अनुरूप है।

किसानों के लिए खुले नए रास्ते= सीमैप निदेशक प्रबोध त्रिवेदी ने बताया कि आने वाले समय में इस किस्म के बीज किसानों को खेती के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। अब तक भांग की खेती केवल शोध कार्यों के लिए ही लाइसेंसीकृत थी, लेकिन नई प्रजाति में मानक से कम नशा होने के कारण किसान आबकारी विभाग से लाइसेंस लेकर इसकी खेती कर सकेंगे। इससे किसानों की आय दोगुनी करने में मदद मिलेगी।

दर्द निवारक दवाओं में उपयोग: वैज्ञानिकों के

अनुसार, भांग का उपयोग सदियों से दर्द निवारक दवाओं में होता रहा है। इसकी नई किस्म कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों में दर्द निवारक दवाओं के निर्माण में नई संभावनाएं पैदा करेगी। इसके तेल का प्रयोग मुंहासे, एक्जिमा, सोरायसिस और सूजन कम करने वाली दवाओं में भी किया जाता है, साथ ही यह भूख बढ़ाने और मोटापा घटाने में भी सहायक है।

राजस्थान में खेत में बन रही एमडी ड्रग्स लैब का हुआ पर्दाफाश

डार्कनेट से सीखकर मादक पदार्थ बनाने की थी तैयारी

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान में सिरोही जिले के धनत्राई गांव के एक खेत में मादक पदार्थ बनाने की लैब का पर्दाफाश हुआ है। मादक पदार्थ बनाने के आरोपित ने डार्कनेट से इसे तैयार करने की प्रक्रिया सीखी थी।

राजस्थान पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी)की संयुक्त टीम ने छापा मार कर इस लैब को पकड़ा और सैकड़ों किलो केमिकल बरामद किया है। इससे लगभग एक क्विंटल मेफेड्रोन ड्रग्स बनाई जा सकती थी जिसकी बाजार में कीमत करीब 40 करोड़ रूपए आंकी गई है।

पुलिस ने लैब के मालिक सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एनसीबी और पुलिस की टीम ने गांधी नगर स्थित नेशनल फारेंसिक साइंस विश्वविद्यालय की टीम को भी मौके पर बुलाया।

जांच में सामने आया कि इस लैब का संचालक प्रदेश के जालौर जिले का निवासी वालाराम है। वह प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने के बाद नशे के इस कारोबार से जुड़ा था। उसने मादक पदार्थ बनाने

की प्रक्रिया डार्कनेट से सीखी थी।

गुजरात के अंकलेश्वर से केमिकल और लैब के उपकरण खरीदता था। जिस खेत में लैब संचालित की जा रही थी उसका मालिक वालाराम का साथी भूराराम है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि लैब में पूर्व में आठ किलो मेफेड्रोन बनाया जा चुका था। वालाराम को केमिकल उवं उपकरण उपलब्ध करवाने वाला अंकलेश्वर निवासी अजीत पटेल पहले से ही एक मामले में रिमांड पर चल रहा है। वालाराम,भूराराम के साथ ही तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

फांसी के फंदे से झूलता मिला आरएसएस कार्यकर्ता का शव, पुलिस के दावों पर बीजेपी ने किया इनकार

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी। केरल के तिरुवनंतपुरम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक कार्यकर्ता का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। मृतक की पहचान आनंद के थंपी के रूप में हुई है। आनंद की मौत की वजह आत्महत्या बताई जा रही है। हालांकि, पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

आनंद केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम स्थित त्रिक्कण्णपुरम का रहने वाला था। उसका शव बीती शाम को घर में लटकता मिला, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। क्या है आत्महत्या की वजह? केरल पुलिस का

कहना है कि केरल में जल्द ही लोकल चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में आनंद को त्रिक्कण्णपुरम से बीजेपी का टिकट चाहिए था, लेकिन उसे प्रत्याशी नहीं चुना गया। इससे निराश होकर उसने मौत को गले लगा लिया। बीजेपी के स्थानीय नेताओं ने पुलिस के दावों का सिरे से खंडन किया है। उनका कहना है कि आनंद ने टिकट के लिए किसी से बात नहीं की थी और न ही पार्टी को इसकी जानकारी थी। पार्टी ने आनंद की मौत की वजह पर संदेह व्यक्त किया है। पुलिस के अनुसार, बीजेपी ने सोशल मीडिया पर उम्मीदवारों की सूची जारी की थी, जिसमें आनंद को उसका नाम नहीं मिला। सुसाइड से पहले उसने अपने दोस्त को व्हाट्सएप पर मैसेज करते हुए बीजेपी और आरएसएस पर आरोप लगाया था। उसने अपने दोस्त को बताया कि वो शनिवार की दोपहर को अपनी जान ले लेगा। आनंद का दावा था कि उसने आरएसएस के नेताओं को बताया था कि वो चुनाव लड़ना चाहता है। मगर, उसे टिकट देने से इनकार कर दिया गया और उसकी जगह किसी दूसरे नेता को टिकट दे दिया गया, जो रेत तस्करी माफियाओं से जुड़ा है। आनंद का मैसेज मिलते ही उसका दोस्त फौरन घर की तरफ भागा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आनन-फानन में आनंद को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। बीजेपी के राष्टपति राजीव चंद्रशेखर ने इस घटना पर हैरानी जताई है।

समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें? पत्नी का शव ले जाते वक्त पति समेत 3 गिरफ्तार

कोडगु , एजेंसी। कर्नाटक के कोडगु जिले में एक युवक को पुलिस ने अपने पत्नी का शव ले जाते वक्त गिरफ्तार किया है। युवक पत्नी का शव कार में रखकर दो अन्य व्यक्तियों के साथ अज्ञात स्थान पर ले जा रहा था। जिसे नियमित जांच के दौरान वन विभाग के कर्मचारियों ने पकड़ा। कोडागु जिला पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, शनिवार की मध्य रात्रि करीब 12.05 बजे वन विभाग के कर्मचारियों ने मालदारे गांव में लिंगापुर वन चौकी पर नियमित जांच के दौरान वाहन के अंदर शव को देखा। शव ले जाने वाले तीनों युवक हरियाणा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। कोडागु एसपी के रामराजन ने बताया कि महिला के पति सहित तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मदिकेरी अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, संदेह है कि महिला ने मैसूर के मेटागल्ली इलाके में अपने किराए के घर में आत्महत्या कर ली। पोस्टमार्टम के बाद मामला मेटागल्ली पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

तीनों युवकों के साथ मैसूर में रहती थी महिला

इस पूरे मामले को लेकर मैसूर पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला, नानकी देवी (45), अपने पति राकेश कुमार (43) और दो अन्य - सतवीर चौहान (33) और विकास (32) के साथ मैसूरु शहर में रहती थी। जो आत्महत्या कर ली। पुलिस को शक है कि तीनों लोग शव को ठिकाने लगाने जा रहे थे। वहीं, इस संदिग्ध मामले में पुलिस ने महिला के पति राकेश से पूछताछ की तो उसने बताया कि शुक्रवार को जब वह घर लौटा, तो उसने दरवाजा बंद पाया और नानकी को कई बार आवाज दी। जब उसने दरवाजा नहीं खोला, तो उसने दरवाजा तोड़ा और उसे फंदे से लटका पाया। उसने बताया कि वह उसे अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उसकी मौत हो चुकी है।

डिप्टी रजिस्ट्रार से एओए चुनाव अधिकारी नियुक्त करने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । सिद्धार्थ विहार की गंगा यमुना हिंडन अपार्टमेंट की एओए ने अगले महीने होने जा रहे एओए चुनाव के लिए डिप्टी रजिस्ट्रार को चुनाव अधिकारी नियुक्त करने की मांग पत्र सौंपा। एओए अध्यक्ष एएन त्रिपाठी ने मांगपत्र में लिखा है कि सोसाइटी में आम सभा बुलाने के लिए भी प्रशासन से पुलिस बल मांगना पड़ता है। इसलिए ईमानदारी और पारदर्शिता से चुनाव कराने के लिए डिप्टी रजिस्ट्रार द्वारा चुनाव अधिकारी नियुक्त होना अनिवार्य है। मीडिया प्रभारी कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया आवास विकास परिषद ने लगभग सभी बचे हुए फ्लैट्स बीते महीने आवंटित कर दिए हैं। ऐसे में अब आगामी चुनाव उपरांत लगभग 1200 मतदाताओं वाली विशाल एओए का गठन होगा। इस अवसर पर संयुक्त सचिव देवेंद्र पाल, निवासी शंकरलाल वत्स आदि उपस्थित रहे।

सडक किनारे घायल पड़े व्यक्ति को सी.ओ. ने कराया अस्पताल भर्ती

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷ । नहटौर-हल्दौर चौराहे के पास एक व्यक्ति लहूलुहान अवस्था में मिला। धामपुर सीओ अभय कुमार पांडेय ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। प्राप्त समाचार के अनुसार बीती रात करीब आठ बजे नहटौर-हल्दौर चौराहे के पास एक व्यक्ति सड़क किनारे पड़ा था बताया जाता है कि उधर से गुजर रहे धामपुर सीओ अभय कुमार पांडे की नजर उसे पर पड़ी। सीओ अभय कुमार पांडे ने तुरंत रुक कर देखा की व्यक्ति के सिर में गंभीर चोटें लगी हुई है। जिसके बाद उन्होंने पुलिसकर्मियों को उसे अस्पताल पहुंचाने का निर्देश दिया। घायल की पहचान गांव बेगराजपुर निवासी अमर सिंह के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष धीरज नागर ने बताया कि घायल का सीएचसी नहटौर में उपचार चल रहा है। उसके सिर में चोट लगी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

वीके इंटरनेशनल स्कूल में बाल मेले का शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷ । वीके इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित बाल मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम स्मृति मिश्रा ने किया। स्कूल प्रबंधक सुधीर कुमार अग्रवाल ने उन्हें स्मृति चिन्ह व छात्र द्वारा बनाया गया उनका स्क्रैच भेंट कर सम्मानित किया। संबोधन में एसडीएम ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की सीख दी। मेले में छात्र छात्राओं ने घुड़ सवारी, ऊंट की सवारी, मिकी माउस, ट्रामपोलिन आदि का लुत्फ उठाया। साथ ही खाद्य व्यंजनों का भी भरपूर आनंद लिया। मेले में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भी प्रतिभाग किया। मेले के अंत में लकी ड्रा का आयोजन किया गया। इसमें शाहबाज ने प्रथम पुरस्कार के रूप में एलईडी, लखन सोलान ने द्वितीय पुरस्कार के रूप में स्मार्ट फोन तथा आह्निक गहलौत ने तृतीय पुरस्कार के रूप में एयर फ्रायर जीता। इसके अलावा 10 अन्य छात्र छात्राओं को भी लकी ड्रा के माध्यम से पुरस्कार दिए गए। प्रधानाचार्य प्रेरणा चौधरी, शुभम त्यागी, राहुल कुमार, दीपक कुमार शर्मा, आशु सैनी, देवेन्द्र कुमार, राकेश कुमार, समाना नकवी, वैश्वी त्यागी, तिथिक्षा कौशिक आदि मौजूद रहे।

एमडीसीए ने सीओई को 83 रन से हराया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । डीपीएसजी इंटरनेशनल डासना के मैदान पर एमडीसीए ने सीओई के बीच चल रही तीन मैच की सीरीज में पहले मैच में एमडीसीए ने 83 रन से जीत हासिल की। टीम ने सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। मैच में टॉस एमडीसीए ने जीता और बल्लेबाजी करते हुए टीम 37.2 ओवर में 245 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। देव ने 111 रन की पारी खेली और हर्षित चौधरी ने 35 रन बनाए। सीओई से गेंदबाजी में कुशाग्र ने चार, आर्यमन प्रताप सिंह और जिमित ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सीओई की टीम 35.3 ओवर में 162 रन पर ही ऑल आउट हो गई। कृष्ण माथुर ने 63 रन बनाए। दूसरी टीम से हर्षित ने चार और विवान गुप्ता ने दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देव को दिया गया।

कलात्मक गतिविधियों से दिखाई प्रतिभा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । सनसिटी स्थित ग्रीन शाइन वर्ल्ड स्कूल में बाल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों के नृत्य, संगीत और रंगारंग प्रस्तुतियों से हुई। इसके अलावा विभिन्न कलात्मक गतिविधियों में भाग लेकर आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने उत्साह के साथ नृत्य प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान, स्कूल निदेशक जसवीर सिंह ने विद्यार्थियों की सराहना कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं और उनकी खुशी व विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वीनस क्रिकेट अकादमी ने एक विकेट से जीता मैच

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷ । राजनगर एक्सटेंशन स्थित जीएमएस मैदान पर रविवार को शिव हरी प्रसाद टूर्नामेंट का लीग मैच वीनस अकादमी और वीआर इलेवन के बीच खेला गया। मैच में वीनस अकादमी ने एक विकेट से जीत हासिल की। टॉस जीतकर वीआर इलेवन ने बल्लेबाजी करते हुए 36.3 ओवर में 210 रन बनाकर सभी विकेट खो दिए। अक्षत ने 100 रन का पारी खेली और सिद्धांत ने 18 रन बनाए।

प्रेम के बदले मौत, जीवन साथी पर हत्या का आरोप

तीन माह बाद मृतक की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर/स्योहारा ✷

मृत्यु के तीन माह बाद कोर्ट के आदेश पर मृतक की मां की तहरीर पर प्रेमिका, उसकी बहन, बहनोई सहित भांजे पर गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। आरोपितों पर मृतक को उकसाने का आरोप, पुलिस जांच में जुटी।

नगर के मौहल्ला मुस्लिम चौधरियान निवासी रहनुमा उर्फ सलमा पत्नी शमीम ने न्यायालय में दिये प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके 24 वर्षीय पुत्र हैदर का ग्राम उमरी थाना धामपुर निवासी युवती नजराना से पिछले छ वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

इस बीच में दोनों एक दूसरे से मिलते जुलते थे आरोप है कि नजराना ने हैदर को अपने जाल में फंसा लिया। उससे महंगे गिफ्ट, पैसा और सोने चांदी के जेवरात लेती रही। हैदर नजराना से शादी करना चाहता था। परंतु इस रिश्ते से नजराना का बहनोई नसीम, बहन नसरीन, भांजे मोहसिन खुश नहीं थे और हैदर से रंजिश रखते थे।

9 अगस्त 2025 को सुबह 9 बजे नजराना ने हैदर को अपनी बहन नसरीन के घर बात करने के बहाने बुलाया। उस समय घर पर नसरीन और मोहसिन भी घर पर मौजूद थे, षड्यन्त्र के तहत एक राय होकर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर हैदर को पिला दिया। जिससे हैदर का मानसिक सन्तुलन बिगड़ने लगा और नसीम, नसरीन व मोहसिन ने हैदर से कहा कि अगर तू नजराना से प्यार करता और उससे शादी करना चाहता है।

तो तुझे यह जहर की पुड़ियां हमारे सामने खानी होगी और नजराना ने भी इसके लिये हैदर को उक्साया और हैदर के हाथ में जहर की पुड़िया दे दी। सभी के उक्साये जाने व उत्पीड़न से तंग आकर हैदर ने कोल्ड ड्रिंक के साथ जहर खा लिया। बदहवास हालत में घर पहुंचकर हैदर ने अपने परिवार वालों को बताई सुनाई। गंभीर हालत को देखते हुए परिजन आनन फ़ानन में हैदर को कई निजी चिकित्सक के यहां ले गये परंतु हैदर की हालत को देखते हुये किसी भी चिकित्सक ने इलाज करने से इंकार कर दिया।

परिवार वाले हैदर को विवेकानन्द हस्पिटल मुरादाबाद में भर्ती कराया। परंतु रात्रि ने लगभग 9:15 बजे उसकी मृत्यु हो गई।, मां रहनुमा ने सिविल लाईन थाना मुरादाबाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई। पुलिस ने अगले दिन पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की।

एक इकलौते पुत्र के जाने के मां रहनुमा ने अपना होशो हवस में नहीं रहे। जिस कारण वोह थाने नहीं जा सकी और जब थाने पहुंची तो पुलिस ने एक नहीं सुनी। मजबूरन महिला को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा।, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने नजराना, नसीम, नसरीन, मोहसिन के खिलाफ़ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एक शमा रोशन थी वोह भी प्रेम की भेंट चढ़ी

हैदर परिवार में इकलौता पुत्र था और उस पर ही परिवार की सारी जिम्मेदारियां थी,। घर में इकलौता होने के कारण सब लोग उससे प्यार करते थे और वोह सभी के दिलों में राज करता था। उसको क्या पता था कि उसकी मौत की वजह उसका प्यार बनेगा।, मुमताज ने आगरा में ताजमहल बनवाया, तो आमेर ने अजमेर शीशमहल, तो राजा मान सिंह जयपुर में चारों दिशाओं में महल के साथ साथ बीच में बगीचा बनवा कर प्यार की मिसाल पेश की।

कभी कभी इंसान प्यार में धोका खा जाता है और वोह जिससे प्यार करता है। उसको ईश्वर के बराबर मान बैठता है और वो ही मौत का कारण बन जाता है।

पुत्र को खोने के बाद थाने के चक्कर काटती रही बुजुर्ग मां

घर के इकलौते चिराग के बुझने के बाद न्याय के लिये मजबूर, बेबस और बेसहारा बुजुर्ग मां दर दर ठोकरें खाती रही। लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी और बेटे को न्याय दिलाने के लिये उसने आलाधिकारियों सहित कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अंत में उसकी जीत हुई, पुलिस ने न्यायालय के आदेश के बाद मतलबी, मक्कार, धोखेबाज प्रेमिका, बहन नसरीन, बहनोई नसीम, भांजा मोहसिन के खिलाफ़ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आईएमए ने राजनगर के सेंट्रल पार्क पर राहगीरी में लोगों को जागरूक किया गया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर आईएमए गाजियाबाद ने रविवार को मधुमेह से प्रभावित होने वाले अंगों की मुफ्त जांच की। इसके साथ ही राहगीरी कार्यक्रम के तहत लोगों को बीमारियों को प्रति जागरुक किया गया।

शिविर में एक हजार से ज्यादा लोगों की जांच की गई। राजनगर स्थित सेंट्रल पार्क के सामने वाली सड़क पर राहगीरी डे कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं ने हिस्सा लिया। लोगों को योग का प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही मधुमेह व अन्य बीमारियों से बचाव के लिए कई तरह की निःशुल्क स्वास्थ्य जांचें कराई गईं।

शिविर में रेटिना की जांच, दांतों की जांच तथा त्वचा व बाल रोगों का परामर्श, फाइब्रोस्कैन, हड्डियों की जांच, नसों व रक्त वाहिकाओं की जांच, डायबिटिक फुट की जांच और शुगर टेस्ट किए गए। कार्यक्रम में लोगों को हेल्थ टिप्स दिए गए।

आईएमए यूपी स्टेट के पदाधिकारी डॉ. वीबी जिंदल, डॉ. आशीष अग्रवाल व डॉ. शरद अग्रवाल ने प्रतिभागियों को सीपीआर का प्रशिक्षण दिया। कई स्कूलों के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक, योग, ज़ुंबा, एरोबिक्स, कराते, फ्लैश मॉब और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से संदेश दिया कि मधुमेह को रोकने में जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली महत्वपूर्ण है।

70 डॉक्टरों की मुफ्त जांचें भी कीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल रहे। इस मौके पर जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह और आपूर्ति अधिकारी अमित तिवारी, अंतरराष्ट्रीय एथलीट ऋचा सूद ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में आईएमए गाजियाबाद अध्यक्ष डॉ. अल्पना कंसल, उपाध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा और सचिव डॉ. राजीव त्यागी भी मौजूद रहे।

71 लाख की धोखाधड़ी के आरोपियों को अग्रिम राहत नही

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

अदालत ने 71 लाख रुपये की साइबर ठगी से जुड़े मामले में आरोपी यशवंत कुशवाहा व सत्यवंत कुशवाहा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने माना कि मामला गंभीर आर्थिक अपराध से संबंधित है।

प्रकरण के अनुसार शिकायतकर्ता कंपनी स्पाइस मनी लिमिटेड ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके डिजिटल वॉलेट और व्यापार संतुलन (ट्रेड बैलेंस) प्रणाली में तकनीकी गड़बड़ी का लाभ उठाकर आरोपी यशवंत कुशवाहा, सत्यवंत कुशवाहा और सह-आरोपियों ने हेराफेरी की।

आरोपी खुदरा रिक्रेता और वितरक के रूप में कंपनी के साथ जुड़े थे और डिजिटल भुगतान सेवाएं प्रदान करते थे। तकनीकी खामी के चलते कुछ लेनदेन असफल हुए, लेकिन उन असफल लेनदेन की राशि कंपनी के सिस्टम द्वारा गलती से आरोपी के वॉलेट में क्रेडिट होती चली गई थी।

आरोपियों ने इस गलती का फायदा उठाते हुए त्वरित रूप से कई लेनदेन कर लगभग 71 लाख रुपये निकाल लिए। जब आरोपी से संपर्क किया गया तो उसकी कंपनी पर ताला मिला और वह गायब है। आरोपियों ने अधिवक्ता से तर्क दिया कि व्यवसायिक लेनदेन के दौरान तकनीकी गलती से हुई राशि स्वतः क्रेडिट हुई थी। उनका सिस्टम पर कोई नियंत्रण नहीं था और मामला दीवानी का है।तकनीकी त्रुटि को आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता।

वहीं अभियोजन और वादी पक्ष ने कहा कि सह-आरोपियों की जमानत पहले ही निरस्त हो चुकी है। अदालत ने कहा कि इतनी बड़ी राशि का उपयोग बिना सूचना अपराध के गंभीर स्वरूप को दर्शाता है। अग्रिम जमानत असाधारण परिस्थिति में ही दी जा सकती है, इस मामले में ऐसा कोई आधार नहीं है। इसलिए जमानत नहीं दी।

फिडे ट्रेनर सेमिनार संपन्न

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

जेपी पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय फिडे ट्रेनर सेमिनार का रविवार को समापन हुआ। अंतिम दिन सभी प्रतिभागियों ने फिडे द्वारा आयोजित तीन घंटे की ऑनलाइन परीक्षा दी, जिसके परिणाम जनवरी 2026 में घोषित किए जाएंगे।

द्रोणाचार्य अवार्डी ग्रैंडमास्टर आरबी रमेश ने कहा कि कोचिंग केवल चालें सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि खिलाड़ी की सोचने की क्षमता विकसित करती है। यह सेमिनार भारतीय कोचों में विश्लेषण, अनुशासन और समग्र विकास की समझ को मजबूत करता है।

इंटरनेशनल मास्टर विशाल सरीन के अनुसार भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है और सही दिशा व प्रशिक्षण मिलने पर भारतीय खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर और अधिक मजबूती से उभरेंगे। ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के उपाध्यक्ष एके रायजादा ने सेमिनार को उत्कृष्ट और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बताया। प्रधानाचार्या मीता भंडुला और सेमिनार कोऑर्डिनेटर नीरज सिंह ने कहा कि जेपी पब्लिक स्कूल राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के माध्यम से शिक्षा और खेल में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है।

संयुक्त अस्पताल की इमरजेंसी में मरीजों को निर्बाध बिजली मिलेगी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिले के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं सौर ऊर्जा से संचालित होंगी। बिजली खपत को कम करने के लिए संयुक्त जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में सोलर पॉवर प्लांट लगाने का कार्य शुरू हो गया है।

इससे अस्पताल को 24 घंटे निर्बाध बिजली मिल सकेगी और बिजली कटौती की समस्या से मरीजों को निजात मिलेगी। सूत्रों के मानें तो सभी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में सोलर प्लांट लगाए जाने हैं। इसी कड़ी में जिले के सरकारी अस्पतालों को सौर ऊर्जा से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर की छत पर सोलर पैनल लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, ट्रॉमा सेंटर में लगाए जा रहे सोलर पैनल अगले 10 दिनों में पूरी तरह स्थापित कर दिए जाएंगे। अस्पताल में उपचार के लिए वार्ड, ऑपरेशन थिएटर और डिजिटल एक्स-रे मशीन मौजूद है, हालांकि ओटी और एक्स-रे मशीन वर्तमान में संचालित नहीं हैं।

योजना है कि पूरे ट्रॉमा सेंटर परिसर को सौर ऊर्जा से जोड़कर बिजली उपकरणों को सोलर सिस्टम से चलाया जाए, जिससे जेनरेटर पर निर्भरता खत्म होगी। सोलर पैनल परियोजना के तहत ट्रॉमा सेंटर के बाद 100 बेड के संयुक्त जिला अस्पताल और ब्लड बैंक को भी सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा। इससे बिजली के बिल में भारी कमी आने के साथ आर्थिक बोझ भी कम होगा। मुरादनगर में शुरू हो चुका सोलर प्लांट पहले चरण में मुरादनगर सीएचसी में यह व्यवस्था पहले ही लागू की जा चुकी है, जिसे सफल पाया गया है। अब जिले के निजी क्षेत्र में भी सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ सके।

संयुक्त जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. संजय गुप्ता का कहना है कि शासन की योजना के तहत अस्पताल व ट्रामा सेंटर को सोलर पैनल से जोड़ा जाएगा। इससे अस्पताल पर बिजली का आर्थिक बोझ भी कम होगा। उम्मीद है कि एक सप्ताह में शुरू हो जाएगा।

जिला स्तरीय मुशायरे का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सैय्यद क़ौमी तालीमी सोसायटी नगीना की ओर से उर्दू दिवस के उपलक्ष्य में एक जनपद स्तरीय मुशायरे का आयोजन स्कॉलर पब्लिक स्कूल मोहल्ला कलालान में किया गया।

जिस की अध्यक्षता डा0 नज़ाक़त धामपुरी ने की तथा सनचालन बहारुद्दी शामसी ने किया, शायरों ने अपने कलाम सुनाकर श्रोताओं से ख़ूब वाह वाही लूटी, पसंद किये गयें कुछ शेर इस प्रकार हैं,

इतनी ज़हमत तो बहर हाल उठाली जाए
उर्दू तहज़ीब है तहज़ीब बचाली जाए
अशरफ़ शेरकोटी
ग़रीबी रब्त रखती है सभी अपने परायों से
अमीरी सारे रिश्तों से रफ़ाक़त छीन लेती है
शाहिद अंजुम
कानों में रस घोलने वाले
हम हैं उर्दू बोलने वाले
डा0 आफ़ताब नजीबाबादी
बस गई है हमारी रग रग में
हम तो उर्दू तेरे दीवाने हैं
तसलीम नगीनवी
अगर ज़रूरी हो उर्दू का काफ़िया रखना
ग़ज़ल के शेर में ख़शबू का काफ़िया
तिश्ना नगीनवा
सो रहा है किस तरह साकिर वो चादर तान कर
जिसकी मंज़िल दूर है और क़ाफ़ला बिछड़ा हुआ
साकिर नजीबाबादी
ख़ून देकर भी दोश्तों मां के
दूध का हक़ अदा नहीं होता
विशाल नगीनवी
ये है नसीब के हम बूंद बूंद को तरसे
नसीम जब के समंदर हमारे साथ च
डा0 नसीम नजीबाबादी
जिस को चाहा है उसे क़ैद किया है
ये अलग बात के ज़िंदा नहीं रखा है
रोज़ी तो ख़ुदा देगा जो भी होगी क़िस्मत में
काम कुछ करो यारों जुश्तजू ज़रूरी
डा0 इलियास नजीबाबादी
एक घटा घोप अंधेरा है नज़र की हद तक
रात को नूर दे तारों को बनाने वाले
वो हर हर लफ़्ज़ से ख़ुशबू घोलता
वो उर्दू बोलता है वो उर्दू बोलता है
आलम गीर क़ाज़मी
हाफ़िज़ नगीनवी
मेरे नज़दीक से जब वो मलूलो मुजमहिल निकला
मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे सीने से दिल निकला
साकिब धामपुरी
मुशायरा देर रात तक समाप्त हुआ,शारिक नोमानी मौ0 उज़ैर , सलीम अहमद, मौ0 अनस आदी का विशेष यो

छात्रा को विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह में मिला गोल्ड मेडल

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

नगर के प्रतिभाशाली छात्रा कोपल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह में एम.कॉम में यूनिवर्सिटी टॉपर बनकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया है।

महात्मा ज्योतिबा फूले रूहेलखंड विष्वविद्यालय के अटल सभागार में आयोजित 23वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेष के राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, आईआईटी रोपड़ के निदेषक प्रो राजीव आहूजा, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्यमंत्री रजनी तिवारी, कुलपति प्रो केपी सिंह द्वारा कोपल शर्मा सहित अन्य छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

कोपल वर्मा की इस सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है, कोपल शर्मा, प्रथ्वीराज चौहान इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, धामपुर की होनहार छात्रा हैं, जो धामपुर के मेन मार्केट स्थित महादेव डेरी के पास रहती है, उनके पिता श्री आलोक कुमार शर्मा, जो रुड़की के गन्ना विभाग में सेवा दे रहे हैं, और माता गरिमा शर्मा, एक गृहिणी हैं, अपनी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कोपल ने कहा कि उनके माता-पिता ने हर कदम पर उन्हें समर्थन दिया है, मैं बेहद भाग्यशाली हूँ कि मुझे ऐसे माता-पिता मिले, उन्होन युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि भगवान पर विश्वास रखें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें, बाकी वह खुद संभाल लेंगे, भविष्य में कोपल पीएचडी करने और सरकारी सेवा में अपना करियर बनाने की इच्छा रखती हैं।

गेहूं की उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादकता हेतु अपनाये उपाय महत्वपूर्ण

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

कृषि विज्ञान केंद्र नगीना बिजनौर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. के के सिंह ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि जनपद बिजनौर में वर्तमान समय में गेहू की बुवाई का कार्य चल रहा है। किसान साथी गेहूं की बुवाई करते समय गेहू से उच्च उत्पादकता प्राप्त करने हेतु यदि महत्वपूर्ण बिंदुओं का ध्यान रखें तो वह अधिक उत्पादक सकते हैं ।

- नवंबर माह में गेहूं की बुवाई हेतु संस्तुत प्रजातियों का ही चयन क
-संस्तुत प्रजातियों में डी.बी.डब्ल्यू. - 327, डी.बी.डब्ल्यू. -370, डी.बी.डब्ल्यू. -371, डी.बी.डब्लू.- - 372, डी.बी.डब्लू-332, डी.बी.डब्लू-187, डी.बी.डब्ल्यू.- - 303 , एचडी- 3226, पी.बी.डब्ल्यू.- 723, डब्लू एच- 1270, एचडी-3386 आदि।
- गेहूं की बुवाई करने से पूर्व किसान साथियों यदि खेत में नमी कम हो तो खेत में पलेवा अवश्य करें। यदि खेत में पर्याप्त नमी रहती है तो गेहू के बीजों का जमाव बहुत ही अच्छा होता
- बुवाई से पहले गेहू के बीज का शोधन अवश्य करें, वीज शोंधन हेतु 3 ग्राम कार्बेंडाजिम या 5 ग्राम ट्राइकोडर्मा प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करके ही बुवाई करें।
- प्रति हेक्टेयर बुवाई हेतु 100 किलोग्राम बीज का ही चयन कर
-गेहू की बुवाई सीडड्रिल, हैप्पी सीडर या सुपर सीडर से करें।
- नवंबर माह में गेहू की बुवाई हमेशा लाइन से लाइन की दूरी 23 सेंटीमीटर एवं पौधे से पौधे की दूरी 5 से 10 सेंटीमीटर रखनी चाहिए, और साथ ही साथ बीज की बुवाई की गहराई 6 सेंटीमीटर से अधिक नहीं होना चाहिए।
-बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण अवश्य कराएं, मृदा परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करें।
- नवंबर माह में गेहू की बुवाई करते समय किसान साथियों 150 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस और 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से ही प्रयोग करें।

30 घंटे से लापता 14 वर्षीय प्रिंस, जंगल और खेतों में पुलिस की सघन तलाश जारी

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷

थाना शिवाला कला क्षेत्र से 14 वर्षीय किशोर प्रिंस कुमार के लापता होने से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। सुबह घर से अचानक गायब हुए प्रिंस का 30 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं लग सका है। परिजन व पुलिस पूरे क्षेत्र में खोजबीन में जुटे हैं, लेकिन अब तक सफलता हाथ नहीं लगी है।

प्रिंस के पिता बबलू सिंह द्वारा दर्ज कराई गई तहरीर के आधार पर थाना शिवाला कला में मुकदमा संख्या 168/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी लखपत सिंह के निर्देशन में पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। उपनिरीक्षक रवि टैगोर की नेतृत्व में टीम ने बुधवार को पूरे दिन जंगलों, खेतों और सुनसान इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। मुख्यालय से बुलवाई गई विशेष ड्रोन टीम ने भी संभावित स्थानों की हवाई निगरानी की।

पुलिस के साथ गांव के लोग भी खोज अभियान में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। कई टीमें अलग-अलग राश्तों पर गश्त कर रही हैं और आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है। इसके बावजूद बच्चे का कोई पता न चल पाने से परिजनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। पिता बबलू सिंह ने कहा कि "पुलिस पूरी तरह सहयोग कर रही है, हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।"

लापता प्रिंस का हुलिया: रंग गोरा, सफेद चेकदार शर्ट, नीली पैंट और हवाई चप्पल। कद लगभग 4 फीट 5 इंच बताया गया है।

संपादकीय

सबसे 'तेज़' के चक्कर में 'श्रद्धांजलि' का पात्र बना 'गोदी मीडिया'

अन्य करोड़ों लोगों की तरह मैं भी फ़िल्म जगत में 'ही मैन' के नाम से प्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता धर्मेंद्र का बचपन से ही प्रशंसक हूँ। 1985-87 के मध्य इलाहाबाद में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का अवसर मिला। उसी दौर में मुंबई आना जाना रहा। उन दिनों मुझे संजय ख़ान, दारा सिंह, रणजीत, देव कुमार उनकी सुपुत्री मिस इंडिया मनीषा कोहली सहित अन्य कई कलाकारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर मिला। परन्तु इत्तेफ़ाक़ से दो बार कोशिशों के बावजूद धर्मेंद्र से इसलिये न मिल सका क्योंकि मेरे मुंबई के प्रवास के दौरान वे शूटिंग पर कहीं बाहर होते।

बहरहाल उनसे मिलने व उनके साथ बैठने की हसरत दिल में ही रही। इत्तेफ़ाक़ से 2005 में जब मैं लोकसभा की कार्यवाही देखने के लिये दिल्ली गया था उसी दौरान संसद के मुख्य द्वार पर मेरी नज़र इस महान अभिनेता पर पड़ी। उस समय वे 2004 से 2009 के मध्य बनी 14वीं लोकसभा में राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की ओर से निर्वाचित हुये सांसद थे। मैं उन्हें देखकर ज़ोर से बोल पड़ा - अरे ...बीरू .. और धर्मेंद्र ने मेरी तरफ़ दोनों हाथ बढ़ाते हुये ज़ोर से कहा - आ जा मेरी जान। मैं उनकी तरफ़ तेज़ी से बढ़ा, उन्होंने भी आगे बढ़कर पूरी गर्मजोशी से मुझे दोनों हाथों से झप्पी डालते हुये इतनी ज़ोर से उठाया की मेरे दोनों पैर ज़मीन से ऊपर उठ गये। उस अविस्मरणीय क्षण को मैं आज भी भी याद करता हूँ। बहरहाल पिछले दिनों भारत के बदनाम ज़माना 'गोदी मीडिया' ने देश के उस हरदिलअज़ीज़ अभिनेता को उनके जीवनकाल में ही अपनी 'ख़बरों' में श्रद्धांजलि दे डाली। ग़ौर तलब है कि सांस लेने में दिक़्क़त होने के कारण उन्हें पिछले दिनों मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया था। उनके अस्पताल में भर्ती होते ही टी आर पी के भूखे गोदी मीडिया ने अपने मुख्य वाक्य 'सबसे तेज़' को साकार करने के मक़सद से मोर्चा संभाल लिया। और 10-11 नवंबर के बीच अच्छे ख़ासे बोलते बात चीत करते इस लोकप्रिय अभिनेता की मौत की झूठी अफ़वाहें तेज़ी से फैला दीं।

ऐसी अफ़वाहबाज़ी कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी, तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी, अभिनेत्री भाग्यश्री, गीतकार व पटकथा लेखक जावेद अख़्तर यहाँ कि ख़ुद गोदी मीडिया की ही एक चर्चित पत्रकार चित्रा त्रिपाठी तक ने इसी झूठी ख़बर पर विश्वास करते हुये धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि व श्रद्धासुमन अर्पित कर डाले।

बाद में इनमें से कई हस्तियों ने अपने ऐसे ट्वीट डिलीट भी किये? यहाँ तक कि कई बड़े अख़बारों ने भी इसी गोदी मीडिया की इस झूठी ख़बर पर विश्वास हुये मुख्य पृष्ठ पर ख़बरें प्रकाशित कर डालीं। उधर वहीं धर्मेंद्र अपनी मौत की झूठी ख़बर फैलने के अगले ही दिन यानी 12 नवंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए। अस्पताल से छुट्टी के बाद वे सजे संवरे सर पर हैट धारण किये अपने अभिनेता पुत्रों के साथ हँसते मुस्कुराते और उसी मीडिया का अभिवादन करते हुये अपने घर जाते नज़र आये।

परन्तु पहले भी इस तरह की अफ़वाह फैलाते रहने वाले गोदी मीडिया को इस बार कुछ ज़्यादा ही मुँह की खानी पड़ी। न केवल धर्मेंद्र के परिवार के सदस्यों ने बल्कि धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने भी सोशल साइट्स पर गोदी मीडिया की धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। धर्मेंद्र की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल ने सबसे पहले अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि 'मीडिया हद से ज़्यादा सक्रिय है और झूठी ख़बरें फैला रहा है। मेरे पापा स्थिर हैं और रिकवर कर रहे हैं। परिवार को प्राइवेसी दें। पापा के जल्द ठीक होने की दुआओं के लिए शुक्रिया।

'उसके फ़ौरन बाद अभिनेत्री पत्नी व सांसद हेमा मालिनी ने X (ट्विटर) पर गुस्से में लिखा कि 'जो हो रहा है वो अक्षम्य है! जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी ख़बरें कैसे फैला सकते हैं जो इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है और रिकवर कर रहा है? ये बेहद असम्मानजनक और ग़ैर -ज़म्मेदाराना है। परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करें। ' बाद में अभिनेता पुत्र सनी देओल की टीम की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर कहा गया कि 'मिस्टर धर्मेंद्र स्थिर हैं और ऑब्ज़र्वेशन में हैं।' वे अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। झूठी अफ़वाहें न फैलाएं, प्राइवेसी का सम्मान करें और जल्द स्वस्थ होने की दुआ करें। '

इस अफ़वाहबाज़ गोदी मीडिया को सबसे अधिक ज़लालत व अपमान का सामना सोशल मीडिया में करना पड़ा। इतना आक्रोश तो उस समय भी देखना नहीं पड़ा था जब पहले भी कई बार यही ग़ैर ज़म्मेदार व झूठ परोसने वाला मीडिया कभी अमिताभ बच्चन तो कभी राजनीकांत कभी शाहरुख़ ख़ान तो कभी फ़रीदा जलाल कभी लता मंगेशकर, राजेश खन्ना, कैटरीना कैफ़ व आयुष्मान खुराना जैसे कई कलाकारों को उनके जीवित रहते हुये भी 'मारने की ख़बरें चलाता रहा है।

इस बार तो धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने व गोदी मीडिया को देश की पत्रकारिता पर कलंक समझने वाले देश के एक प्रबुद्ध वर्ग ने ऐसी पत्रकारिता ऐसे ऐंकरों व ' ऐंकराओं ' की तो धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। सीधे तौर पर धर्मेंद्र की मौत की झूठी ख़बर शोकपूर्ण भाव भंगिमा से पेश करने वाली गोदी मीडिया की उस बदनाम 'ऐंकरा' के चित्र पर ही माला डालकर उसी को श्रद्धांजलि अर्पित कर डाली। लाखों लोगों द्वारा ऐसी ग़ैर ज़िम्मेदाराना पत्रकारिता की घोर भर्त्सना की गयी। कई मशहूर यू ट्यूबर पत्रकारों ने धर्मेंद्र की बीमारी के संबंध में तो नहीं परन्तु अफ़वाहबाज़ मीडिया द्वारा फैलाई गयी धर्मेंद्र संबंधी अफ़वाह को लेकर विशेष कार्यक्रम ज़रूर बनाये और ग़ैर ज़म्मिदार गोदी मीडिया की जम कर धुलाई की।

आश्चर्य है कि पिछले दस वर्षों से घोर अपमान झेल रहा यह पक्षपाती, समाज में दुर्भावना फैलाने वाला, लोगों को झूठी ख़बरों से गुमराह करने वाला, सरकारी विज्ञापनों व पैसों की लालच में अपना ज़मीर बेचने वाला तथा अपनी इन्हीं ग़ैर ज़म्मिदाराना हरकतों से देश व पत्रकारिता को कलंकित करने वाला अनियंत्रित 'गोदी मीडिया ' अभी भी झूठी, बेबुनियाद, उकसाऊ व अफ़वाहपूर्ण ख़बरों को प्रसारित करने से बाज़ नहीं आ रहा। यही वजह है कि धर्मेंद्र के सम्बन्ध में विश्वसनीय नहीं बल्कि 'सबसे तेज़' चैनल बनने के चक्कर में मीडिया स्वयं 'श्रद्धांजलि' का पात्र बन बैठा।

सफेद कालर के आतंकियों ने देश के भरोसे को तोड़ दिया!

मनोज कुमार अग्रवाल

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है, क्योंकि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे आतंकवाद की भयावह परतें खुलती जा रही हैं। जिन खतरनाक खुलासों का पर्दाफाश हो रहा है, वे सिर्फ चिंता नहीं, बल्कि आतंक के बदलते स्वरूप की भयावह तस्वीर पेश करते हैं।

जो नया खुलासा हुआ है, निःसंदेह प्रत्येक देशवासी को दहशत में में डालने वाला है, क्योंकि आतंकी देश के एक एक या दो जगहों में नहीं, बल्कि 32 जगहों में धमाके करने वाले वाले थे। यह सोच कर ही रूह कांप जा रहा है कि अगर आतंकी अपने मनसूबे में कामयाब हो जाते, तो फिर क्या होता। इससे एक बात यह भी साफ हो जाती है कि आतंकी अपना नेटवर्क पूरे देश में फैल चुका है।

इसके साथ यह साफ हो गया है कि अब आतंकवाद किसी सीमित दायरे का मुद्दा नहीं, बल्कि ऐसे व्हाइट कॉलर नेटवर्क का रूप ले चुका है जिसके तार देश के प्रतिष्ठित संस्थानों, शिक्षण केंद्रों और उच्च शिक्षा प्राप्त वर्ग तक फैले हुए हैं। सफेद कोट और चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे से जुड़े करीब दस उच्च शिक्षा प्राप्त डिग्री धारी डॉक्टर अब तक इस आतंकी साजिश की कड़ी में लिप्त मिल चुके हैं इस वारदात ने पहली बार डॉक्टर जैसे पवित्र पेशे पर आम आदमी के विश्वास और भरोसे को मटियामेट कर दिया है।

वहीं एक संप्रदाय विशेष पर भी विश्वास का संकट पैदा करने के हालात बनाने का नापाक काम किया है खासकर काश्मीर मुस्लिमों को अब देश दुनिया भर में शंका की नजर झेलनी होगी। आपको बता दें कि अभी तक की जांच में पता चला है कि साजिश करने वाले आतंकी देश भर के विभिन्न स्थानों पर तैतीस गाडियों में विस्फोट करने का षडयंत्र कर रहे थे पहले इस मामले में सिर्फ चार गाड़ियों की बात सामने आई थी, लेकिन जांच एजेंसियों के नए इनपुट ने आतंकियों की योजना की व्यापकता को उजागर कर दिया है। ये गाड़ियां सिर्फ वाहन नहीं, आतंक की चलती फिरती फैक्टरियां थीं- जिनमें आई 20, मारुति सुजुकी ब्रेज़ा, स्विफ्ट डिजायर और फोर्ड इकोस्पोर्ट जैसी पुरानी कारों का इश्तेमाल किया जा रहा था।

इन गाड़ियों को कई हाथों में ट्रांसफर किया गया था, ताकि पुलिस साजिशकर्ताओं तक न पहुंच सके। यह तरीका आतंकियों की चालाकी के साथ-साथ उनके व्यापक नेटवर्क की पुष्टि करता है। जांच में सामने आया है कि यह पूरी पूरी साजिश 6 दिसंबर को अयोध्या में हुई बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर बदला लेने की नीयत नीयत से रची गई थी।

33 साल पुराने घटना का हवाला देकर आज भी देश को अस्थिर करने की कोशिशें जारी हैं, यह अपने आप में बेहद चिंताजनक है। इसके अलावा पहले इस धमाके को शुरू में एक स्थानीय घटना माना जा रहा था, लेकिन अब इसके तार अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क से जुड़ते नजर आ रहे हैं। और इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि यह साजिश किसी एक हमले तक सीमित नहीं थी, चल्कि देशभर में दहशत फैलाने की एक विश्तृत योजना का हिस्सा थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मॉड्यूल ने न केवल हथियार और विस्फोटक जुटाए थे, बल्कि 32 कारों को आईईडी से लैस कर आत्मघाती धमाकों के लिए तैयार किया जा रहा था। यह संयोग नहीं है कि इन कारों का उपयोग 6 दिसंबर को, बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर, विभिन्न जगहों पर धमाके करने के लिए होना था।

कई प्रमुख स्थानों को निशाना बनाया जाना था जिनमें सिर्फ दिल्ली में छह प्रमुख लोकेशन शामिल थीं। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकियों का मकसद सिर्फ दहशत फैलाना नहीं, बल्कि देश को कई मोर्चों पर अस्थिर करना था। इस पूरी साजिश को और गंभीर बनाता है इसका अंतरराष्ट्रीय पहलू। जांच एजेंसियों का मानना है कि तुर्किये में बैठे एक हैंडलर से उमर नवी लगातार संपर्क में था। हैंडलर का कोड नेम उकासा था। जांच में खुलासा हुआ है कि उमर 2022 में तुर्किये गया था, जहां उसने जैश-ए-मोहश्वमद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े लोगों के साथ सीक्रेट मीटिंग की। टेलीग्राम

से शुरू हुई बातचीत एनक्रिप्टेड ऐप्स तक पहुंची, और वहीं कारों में विस्फोटक भरकर दिली और अयोध्या जैसे शहरों को दहलाने की साजिश रची गई। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, उकासा दिल्ली स्थित मॉड्यूल और प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसारगजत उल हिंद के हैंडलरों के बीच मुख्य कड़ी के रूप में काम करता था। अधिकारियों ने बताया कि यह साजिश 2022 की शुरुआत शुरुआत में तुर्की में रची गई थी, जहां उमर और तीन अन्य जो सभी पाकिश्तान समर्थित दो समूहों से जुड़े थे, वहां गए थे।

उमर मार्च 2022 में तुर्किये गया था और दो हफ्ते अंकारा में रहा था। उकासा ने ही उन्हें सीक्रेट सेल बनाने और डिजिटल फुटप्रिंट से बचने का तरीका बताया था। कथित तौर पर इस ऑपरेशन के लिए तीन कारें, एक हुंडई आई 20, एक लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट और एक मारुति ब्रेजा खरीदी गई थीं। स्ट है कि आतंकवादी नेटवर्क की गतिविधियां अब सीमापार फैले हुए संरचनात्मक सहयोग से चल रही हैं। यह भी स्पष्ट हो चुका है कि भारत में स्लीपर सेल का जाल पहले से अधिक गंभीर व खतरनाक रूप ले चुका है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह माना जा रहा था कि आतंकवादी संगठन भारत की धरती पर कोई बड़ा हमला करने की हिम्मत नहीं करेंगे। लेकिन इस घटना ने उस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। इस पूरी जांच का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह कैसे संभव हुआ कि आतंकियों को दिल्ली जैसे शहर में सहानुभूति के ठिकाने मिल सके? कश्मीर में दशकों से कुछ क्षेत्रों में आतंकी नेटवर्किंग के प्रति सहानुभूति का वातावरण बनता रहा है, जिससे आतंकियों को पनाह मिलती रही।

लेकिन दिल्ली में ऐसा कोई इतिहास नहीं रहा है। ऐसे में यह सवाल और भी पेचीदा हो जाता है है कि आखिर आतंकियों ने यहां कैसे अपने नेटवर्क को सक्रिय किया और कैसे स्थानीय सहयोग हासिल किया? यह बात साफ दिखाती है कि सुरक्षा एजेंसियों को अब आतंकवाद के स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों आयामों को नए सिरे से समझने की आवश्यकता है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि जांच केवल आरोपियों को पकड़ने तक सीमित न रहे, बल्कि उससे आगे जाकर यह समझा जाए कि सिस्टम की ऐसी कौन-सी कमजोरियां हैं जिनका फायदा उठाकर आतंकियों ने इतनी बड़ी साजिश को जन्म दिया। यह भी अत्यंत जरूरी है कि देश की सुरक्षा प्रणाली में ऐसी दीर्घकालिक रणनीति तैयार की जाए जो आतंकवाद को केवल जड़ से उखाड़े ही नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं को भी समाप्त कर दे।

आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी लड़ाई केवल सुरक्षा एजेंसियों के बल पर नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए प्रशासन, खुफिया एजेंसियों और नागरिक समाज के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है। सबसे अहम बात यह है कि जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो। किसी भी समाज में आतंकवादी विचारधारा तभी पनपती है जब उसे स्थानीय समर्थन या सहानुभूति मिलती है। इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसे तत्वों की पहचान कर उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग किया जाए। सुरक्षा रणनीति में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि भारत-विरोधी तत्व चाहे वे सक्रिय हों अथवा स्लीपर सेल को निष्प्रभावी करने के लिए बहु-श्तरीय योजना काम में लाई जाए।

इसके तहत निगरानी तंत्र को आधुनिक तकनीक से लैस करना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा ढांचे को और सुदृढ़ बनाना शामिल होना चाहिए। यह विस्फोट एक चेतावनी है कि आतंकवाद ने अपना रूप, साधन और संचालन का ढांचा बदल लिया है। इसलिए देश की सुरक्षा रणनीति भी अब पारंपरिक सीमाओं में बंधी नहीं रह सकती।

भारत को ऐसी सुरक्षा नीति की जरूरत है जो न केवल वर्तमान खतरों को समाप्त करे बल्कि आने वाले समय में संभावित आतंकी हमलों को भी रोक सके। इस आतंक के नेटवर्क को पूरी तरह भंडाफोड़ करना और दोषियों को कड़ी सजा दिलाना ही जनता के मन में यह विश्वास स्थापित करेगा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में किसी भी कीमत पर पीछे हटने वाला नहीं है।

देश को यह दिखाना होगा कि आतंकवाद चाहे कितनी भी गहरी जड़ें जमाने कीकोशिश करे, भारत की संकल्प शक्ति उससे कहीं अधिक मजबूत है। सरकार और नेतृत्व की दृढ़ ईच्छा शक्ति आतंकवाद के नासूर को नेश्तनाबूद करने में कामयाब होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

प्राकृतिक संसाधनों की लूट को रोकना-धरती आबा बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि

राज कुमार सिन्हा

धरती आबा बिरसा मुंडा के समय अंग्रेजों ने आदिवासी कृषि व्यवस्था को सामंती राज्य में बदलने की प्रक्रिया को तेज़ कर दिया था। चूंकि आदिवासी अपनी आदिम तकनीक से अधिशेष पैदा नहीं कर सकते थे, इसलिए छोटानागपुर के प्रमुखों ने गैर-आदिवासी किसानों को भूमि पर बसने और खेती करने के लिए आमंत्रित किया। इससे आदिवासियों के पास मौजूद ज़मीनें उनसे अलग हो गईं।

ठेकेदारों का नया वर्ग ज़्यादा लालची किस्म का था और अपनी संपत्ति को बढ़ाने के लिए कृषि में विघटन पैदा करना शुरू कर दिया। इस कृषि विघटन और संस्कृति परिवर्तन की दोहरी चुनौतियों का सामना बिरसा मुंडा के नेतृत्व में विद्रोह और बगावत की एक श्रृंखला के माध्यम से किया गया। 25 वर्ष की छोटी सी आयु में, आज के झारखंड के उलिहातू गांव का वह बालक औपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध जन-प्रतिरोध का महानायक बन गया।

जब ब्रिटिश अधिकारी और स्थानीय जमींदार जनजातीय समुदायों का शोषण कर रहे थे, उनकी ज़मीनें हड़प रहे थे और अत्याचार कर रहे थे तब भगवान बिरसा इस सामाजिक और आर्थिक अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े हुए और लोगों को अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए प्रेरित किया। धरती आबा बिरसा मुंडा के आंदोलन और उनके मृत्यु बाद अंग्रेज अधिकारियों को आदिवासियों के भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

उलगुलान, निस्संदेह, एक विद्रोह से कहीं बढ़कर था। यह लड़ाई न्याय और सांस्कृतिक पहचान दोनों के लिए थी। भगवान बिरसा मुंडा की सूझबूझ ने एक ओर जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हश्तक्षेप के अपनी ज़मीन पर स्वामित्व और खेती करने के अधिकार को, तो दूसरी तरफ जनजातीय रीति-रिवाज़ों और सामाजिक मूल्यों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। वर्तमान दौर का समय कहीं ज्यादा प्रतिकूल है। भारत में अधिकांश विकास परियोजना संविधान की पांचवीं अनुसूची वाले आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही है। क्योंकि संसाधनों के मामले में आदिवासी क्षेत्र समृद्ध रहा है और अब भी है।

इस इलाके में देश का 71%जंगल, 92%कोयला, 92% बाक्साइट, 78% लोहा, 100 % युरेनियम, 85% तांबा, 65% डोलोमाइट इत्यादि की भरमार है। भारत के जल स्रोत का 70% जल आदिवासी इलाके में है तथा करीब 80%उधोग के लिए कच्चा माल इन्ही क्षेत्रों से मिलता है। यह प्रकृति की ओर से मिला वरदान है। लेकिन यही वरदान इनके लिए चुनौती भी है, क्योंकि इन्ही संसाधनों की लूट और कब्जे को लेकर देश और दुनिया के कार्पोरेट की गिद्ध दृष्टि लगी है।

इन संसाधनों पर काबिज होने की प्रक्रिया काफी तेज हो गया है। द्रुत गति से बढ़ रही कथित विकास परियोजनाओं से होने वाले विस्थापन का सामाधान निकालने के लिए अबतक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। तेजी से बढ़ते विस्थापन की सबसे अधिक मार देश के आदिवासी पर पङ रही है।

2016 में जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी की गई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 1950 से 1990 के बीच देश में 87 लाख आदिवासी विस्थापित हुए थे जो कुल विस्थापितों का 40 प्रतिशत है। नर्मदा घाटी में प्रश्तावित बांधो से अभी तक लगभग 10 लाख लोग विस्थापित एवं प्रभावित हो चुके हैं।

देश के 19 राज्यों के 53 टाईगर रिजर्व से 848 गांव के 89808 परिवारों को 'टाईगर रिजर्व' के 'कोर क्षेत्रों' से विस्थापित किया जाना प्रस्तावित है जिनमें अधिकांश आदिवासी समुदाय के लोग हैं। अभी तक 257 गांवों के 25007 परिवारों को हटाया जा चुका है। विगत 19 जून 2024 को पर्यावरण मंत्रालय के 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' (एनटीसीए) ने एक आदेश जारी किया है। इसमें सभी राज्यों के अधिकारियों को राज्य में घोषित किए गए 'टाईगर रिजर्व' के 'कोर क्षेत्रों' में मौजूद 591 गांवों और उनके 64801 परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर स्थानांतरित करने का निर्देश शामिल है और इस पर 'कार्य योजना' तथा नियमित प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है। आर्थिक विकास की मौजूदा परिभाषा बहुत गहरे तक उलझाती है। यह पहले उम्मीद और अपेक्षाएं बढाती है, फिर उन्हे पुरा करने के लिए समाज के बुनियादी आर्थिक ढांचे पर समझौता करवाती है, शर्ते रखती है और समाज के संसाधनों पर एकाधिकार मांगती है। विकास की इस विरोधाभास को जल्द से जल्द समझना होगा तथा विकास की नई परिभाषा गढ़ना होगा। जिसे समझाने के लिए सरकार और विशेषज्ञों की आवश्यकता न पड़े।

इसलिए केवल विकास करते रहना ही जरूरी नहीं है, बल्कि अब विकास और विकास नीतियों की समीक्षा जरूरी है। 1986 मे संयुक्त राष्ट्र संघ ने विकास के अधिकार की उदघोषणा तैयार की, जिस पर भारत सहित अनेक राष्ट्रों ने हश्ताक्षर किए हैं। इस संधि के अनुसार विकास सभी नागरिकों का अधिकार है।

विकास परियोजना के लिए तीन मापदंड निर्धारित किये गए हैं, (1)प्रभावित व्यक्तियों की सहमति, (2)परियोजना में निर्मित संसाधन के लाभ में हिस्सेदारी तथा (3)विकास के प्रभावितों का आजीविका के संसाधनों पर अधिकार। वर्ष 2007 में आदिवासी समुदायों के अधिकारों का संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषणा पत्र जारी किया गया, जिसमें आजीविका के संसाधनों पर जनजातीय समाज के अधिकार सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रावधान है। दुर्भाग्य से भारत में इन किसी भी अन्तर्राष्ट्रीय संधियों का अनुसरण नहीं किया जाता है।

आदिवासी समाज हजारों वर्षों से प्राकृतिक संसाधनों यथा जंगल, पहाड़, नदियां, झरने, वनस्पति, पेङ, पौधौं एवं भूगर्भ में विद्यमान संसाधन की रक्षा कर रहे हैं। उनके जीवन की प्रवृत्तियां एवं उनका जीवन जीने का तरीका ही ऐसा है उससे उपर्युक्त संसाधनों का अनायास रक्षा होती रहती है। इसके विपरित भूमंडलीकरण का यह, वह दौर है जब सारे प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन कर लिया जाए की मानसिकता काम कर रही है। प्राकृतिक संसाधन अधिकतर उन्हीं क्षेत्रों में है जहां आदिवासी हजारों वर्षों से निवास करता आया है और साथ - साथ संसाधनों की रक्षा करता आया है। किन्तु वह कभी उन संसाधनों पर अपना मालिकाना हक जताने का दावा नहीं किया है।

किन्तु वैश्वीकरण के समय में पूंजीपतियों की गिद्ध दृष्टि इन संसाधनों पर टीकी हुई है। ऐसी स्थिति में आदिवासी समाज को इस संसाधनों की कार्पोरेट लूट से बचाना होगा। इस घुसपैठ से आदिवासी समाज का अशितत्व खतरे में पड़ गया है। आदिवासी समाज अपने अशितत्व की रक्षा के लिए संघर्ष करता आया है और वर्तमान में भी उनका संघर्ष जारी है। देशी पूंजीपतियों और प्राकृतिक संसाधनों की बंदरबांट में लगे राजनेता, प्रशासकों व बिचौलियों को यह लगता है कि जो लोग प्राकृतिक संसाधनों के लूट के खिलाफ आवाज उठाने वालों को डराकर या प्रलोभन देकर अपना राश्ता साफ किया जाए।

संवैधानिक जिम्मेदारी

उपरोक्त संवैधानिक स्थिति पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की 14 वीं रिपोर्ट (2018- 19) में दिये गए सुझाव और अवलोकन पर कार्यवाही करते हुए गृह मंत्रालय, दिल्ली द्वारा 29 अप्रेल 2022 को राज्यपाल के सभी प्रमुख सचिव व सचिव को पत्र लिख कर दिशा-निर्देश जारी किया गया है। पत्र में लिखा गया है कि राज्यपाल कार्यलय को पांचवी अनुसूचि के क्षेत्रों में लागू होने वाले कानून, विनियमन, अधिसूचना को सावधानीपूर्वक परिक्षण करना चाहिए।

यह अधिकार संविधान से मिला हुआ है। परन्तु वाकई में राज्यपाल इस शक्ति का इश्तेमाल करते हैं? अनुसूचित क्षेत्रों में शांति और सुशासन के लिए राज्यपाल को पांचवी अनुसूचि के पैरा(2) के तहत विनिमय बनाने का व्यापक अधिकार दिया गया है। जिसमें राज्य सरकार के क्षेत्राधिकार को सीमित किया गया है। परन्तु राज्यपाल को व्यापक विधायी और प्रशासनिक अधिकारों से सक्षम किया है। संविधान के अनुच्छेद 244 में व्यवस्था है कि किसी भी कानून को पांचवीं अनुसूचि वाले क्षेत्र में लागू करने के पुर्व राज्यपाल उसे जनजातीय सलाहकार परिषद को भेजकर अनुसूचित जनजातियों पर उसके दुष्प्रभाव का आकलन करवाएंगे और तदनुसार कानून में फेरबदल के बाद उसे लागू किया जाएगा।

दुर्भाग्य से संविधान की यह चेतना स्पष्ट होते हुए भी सभी आदिवासी क्षेत्रों के लिए संविधान में विश्तृत व्यवस्था नहीं की गई जिसका मुख्य कारण था उनकी स्थितियों की विभिन्नता। इसलिए प्रत्येक समाज की विशिष्ट स्थिति को देखते हुए उनके अनुरूप न्यायसंगत व्यवस्था स्थापित करने का दायित्व और अधिकार पांचवीं अनुसूची में राज्यपालों को सौंपे गए हैं। भारत की अनुसूचित जातियों और जनजातियों के पूर्व आयुक्त, विख्यात चिंतक स्वर्गीय डाक्टर ब्रह्म देव शर्मा कहा करते थे कि आदिवासियों के साथ सबसे बडी त्रासदी यह है कि उन्होंने अपने त्याग और बलिदान से ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति पा ली थी परन्तु आजाद भारत ने उन पर उपनिवेशकालीन कानून थोप कर गुलाम बना दिया।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ जबलपुर (मध्यप्रदेश) से जुड़े हैं)

एनडीए की 'सुनामी' को भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल?

योगेश कुमार गोयल

नीतियों, संख्या-शास्त्र और राजनीतिक सामाजिक रुझानों को समझने का दावा करने वाले एग्जिट पोल्स एक बार फिर बिहार के जनादेश के सामने बुरी तरह धराशायी हो गए।

यह वही बिहार है, जहां जनता की राजनीतिक सूझबूझ देशभर में मिसाल मानी जाती है और इसी बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मतदाता का मन कागजों, ग्राफों और टीवी स्टूडियो की चर्चाओं से नहीं पढ़ा जा सकता।

लगभग दो दर्जन एजेंसियों ने अपने-अपने अनुमानों की बौछार कर दी थी लेकिन नतीजों ने इनकी तथाकथित वैज्ञानिकता का मुखौटा एक झटके में उतारकर फैंक दिया। मतदान के बाद तमाम टीवी चैनलों पर जोर-शोर से दावे किए जा रहे थे कि इस बार तस्वीर साफ है, रुझान स्थिर हैं और रणनीति मजबूत है परन्तु असलियत यह थी कि वैज्ञानिक 'सैम्पलिंग' के नाम पर केवल अनुमान बेचे जा रहे थे और इन अनुमानों का आधार जमीन से ज्यादा स्टूडियो-केन्द्रित 'कॉलिनियरिटी' था।

हालांकि बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वश्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ।

लगभग सभी 'पोल ऑफ पोल्स' ने एनडीए को 150 के आसपास और महागठबंधन को 80-90 सीटों तक टिका दिया, मानो मतदाता किसी स्थिर पैटर्न में वोट डालने गया हो।

इन अनुमानित संख्याओं में न आत्मविश्वास झलकता था, न शोध की गंभीरता। यही नहीं, प्रतिष्ठित मानी जाने वाली एक्सिस माय इंडिया और टुडेज चाणक्य जैसी एजेंसियां भी उस भूचाल को भांप नहीं सकी, जिसने एनडीए को 200 से अधिक सीटों के साथ रिकॉर्ड बहुमत दे दिया।

यह पराजय अनुमान की नहीं, समझ की थी और यह विफलता आंकड़ों की नहीं, पद्धति की थी, जो सवाल उठाती है कि क्या एग्जिट पोल्स विश्लेषण करते हैं या महज भविष्यवाणी का खेल खेलते हैं?

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सभी एजेंसियों के बीच 'पोल डायरी' नाम की एकमात्र एजेंसी थी, जिसने एनडीए को 184-209 सीटों तक का अनुमान देकर राजनीतिक गलियारों को चौकन्ना कर दिया था। उस समय इसे कई विशेषज्ञों ने 'आउटलायर' कहकर खारिज कर दिया था परंतु नतीजे आए तो वही आउट्लायर सबसे सटीक साबित हुआ।

महागठबंधन को 32-49 सीटों का उसका अनुमान भी वाशतविक परिणामों से मेल खा गया। यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि जब सारी एजेंसियां एक दिशा में झुकी हों और एक एजेंसी अलग दृष्टि दे रही हो, तब भी आखिर क्यों तथाकथित विशेषज्ञता उस एकमात्र भिन्न अनुमान को गंम्भीरता से नहीं लेती? जवाब स्पष्ट है कि एग्जिट पोल अब एक उद्योग है और उद्योग में जोखिम लेने की जगह कम होती है। सबको उसी लय में बोलना सुविधाजनक लगता है, जिसमें बहुमत की आवाज सुनाई देती है।

बिहार में एक्सिस ने 121-141, चाणक्य ने 148-172, भास्कर ने 145-160, पीपुल पल्स ने 133-159, मैट्रिज-आईएएनएस ने 147-167 और लगभग हर एजेंसी ने 130 से 160 के बीच एनडीए को बांधकर रखा। महागठबंधन को इन्हीं एजेंसियों ने उदारता के साथ 75-110 सीटें सौंप दी, मानो राजनीतिक ध्रुवीकरण, जातीय समीकरणों के पुनर्संयोजन, महिलाओं और युवाओं के मतदान पैटर्न जैसी वाश्तविकताओं का कोई महत्व ही न हो। नतीजा? जमीन पर वोटर ने इन सारे अनुमानों को 'कागजी गणित' साबित कर दिया। एनडीए जहां 200 सीटों से ऊपर निकल गया, वहीं महागठबंधन 35 के आसपास सिमट गया।

बिहार की राजनीति की जटिलता को समझ पाने में एग्जिट पोल्स की असमर्थता कोई नई बात नहीं है। 2010, 2015 और 2020 में भी वे लगातार विफल रहे। 2015 में जब नीतीश-लालू गठबंधन की प्रचंड जीत हुई थी जबकि सर्वे एजेंसियों ने इसके उलट एनडीए की बढ़त दिखाई थी।

2020 में जब लगभग हर सर्वे ने महागठबंधन की जीत की भविष्यवाणी की थी, तब नतीजों ने एनडीए को 125 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत पर पहुंचा दिया था। अब 2025 में जब एनडीए की सुनामी आई, तब उसे भी पढ़ने में लगभग सभी एजेंसियां एक बार फिर चूक गई। आखिर चुनावी समाजशास्त्र में ऐसी क्या अंधी दीवार है, जो इन एजेंसियों को वाश्तविकता से टकराने पर मजबूर कर देती है?

यह विफलता केवल बिहार तक सीमित नहीं है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और यहां तक कि लोकसभा चुनावों तक में एग्जिट पोल्स बार-बार चित्त होते आए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में तो लगभग हर एजेंसी ने एनडीए को 350-400 सीटों का आकाश छूता अनुमान दिया था जबकि भाजपा 240 सीटों पर रुक गई थी और एनडीए 292 पर।

महाराष्ट्र में एग्जिट पोल्स ने 150-170 सीटों की 'महायुति' दिखा दी पर वाशतविक नतीजे 234 सीटों के विशाल बहुमत में तब्दील हो गए। झारखंड में अनुमान एनडीए का, नतीजा इंडिया ब्लॉक का; बंगाल में अनुमान त्रिशंकु का, नतीजा टीएमसी की सुनामी का, तो क्या यह कहना गलत है कि एग्जिट पोल अब विश्लेषण का औजार नहीं बल्कि मनोरंजन का साधन बन चुके हैं?

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर एग्जिट पोल्स किस 'विज्ञान' पर चलते हैं? एजेंसियां दावा करती हैं कि वे वैज्ञानिक सैम्पलिंग, पिछले चुनावों के पैटर्न, जातीय-क्षेत्रीय वितरण, बूथवार गणना और वोट शेयर रूपांतरण मॉडल पर काम करती हैं लेकिन वाश्तविकता यह है कि यह डेटा कितने बूथों से लिया जाता है, कितने मतदाताओं से बात होती है, कौनसे अनुपात लागू किए जाते हैं, इन सबकी पारदर्शिता लगभग शून्य है। 'वैज्ञानिक मॉडल' की आड़ में यह उद्योग एक ब्लैक बॉक्स की तरह काम करता है, जहां अंदर क्या चल रहा है, कोई नहीं जानता और बाहर सिर्फ अनुमान बेचा जाता है।

हालांकि ऐसा नहीं है कि सैंपलिंग से नतीजे निकाले नहीं जा सकते। दुनियाभर में चुनाव पूर्व सर्वे और एग्जिट पोल आम प्रचलन में हैं लेकिन वहां मैथडोलॉजी खुली होती है, डेटा उपलब्ध होता है और एजेंसियों का मूल्यांकन उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है।

भारत में इसके उलट, टीवी चैनल टीआरपी के लिए और सर्वे एजेंसियां कॉन्ट्रैक्ट के लिए एग्जिट पोल पेश करती हैं। इन्हें वाश्तविकता से ज्यादा कथानक गढ़ने में रुचि होती है। कई बार राजनीतिक पक्षधरता, कई बार व्यावसायिक दबाव और कुछ मामलों में 'सैंपल की कमी' जैसे बहाने इस उद्योग का स्थायी फॉर्मूला बन चुके हैं।

कुल मिलाकर, बिहार के 2025 के जनादेश ने एक बार फिर यह साबित किया है कि एग्जिट पोल्स मतदाता को पढ़ने का नहीं, मतदाता को प्रभावित करने का उपकरण बन चुके हैं। किसी भी लोकतंत्र में यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। जब टीवी चैनल और एजेंसियां मिलकर मतदाता के मन की थाह लेने के बजाय उसकी धारणाओं को दिशा देने में लग जाएं, तब उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगने स्वाभाविक है। यह समय है कि भारत में एग्जिट पोल्स के लिए स्वतंत्र विधिक नियंत्रण, स्पष्ट पद्धति प्रकटीकरण, सैम्पलिंग मानक, पारदर्शिता नियम और जवाबदेही लागू की जाए।

जब तक यह उद्योग 'अनुमानों की दुकान' बना रहेगा, तब तक उसका हर अनुमान एक जोखिम होगा और उसकी हर भविष्यवाणी लोकतंत्र को भ्रमित करने का माध्यम। हालांकि बिहार ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया कि यहां का मतदाता किसी भी 'पोल' से बड़ा है।

'पोल ऑफ पोल्स' विफल हुआ लेकिन जनता का पोल एकदम सही बैठा। यही बिहार की राजनीतिक चेतना की असली शक्ति है और यही लोकतंत्र की वह जीवंत धड़कन है, जिसे कोई सर्वे, कोई ग्राफ और कोई चैनल स्टूडियो कभी समझ नहीं पाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

गन्ना संस्थान के अधिकारियों को भेजा ई मेल, मांगीं विभागीय सूचनाएं

लखनऊ , एजेंसी। साइबर जालसाज ने फर्जी आईडी के जरिये गन्ना संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों को ई मेल भेजकर विभागीय सूचनाएं मांगीं। मामले की जानकारी होने पर उप गन्ना आयुक्त सांख्यिकी राम नरेश यादव ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है।

डीएम साहब, नेत्रहीन हूं और मेरी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं रिश्तेदार, शादी करा दो..., वारिस चाहिए

मेरठ , एजेंसी। थानाभवन क्षेत्र के गांव तितारसी निवासी एक नेत्रहीन अधेड़ ने जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान से मुलाकात कर अपनी सुरक्षा और जल्द शादी कराने की गुहार लगाई है। नेत्रहीन व्यक्ति ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह गांव में अकेला रहता है और दृष्टिहीन होने के कारण स्वयं अपना भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है। इस बीच उसके परिवार के कुछ सदस्य उसकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। विरोध करने पर उसे कई बार जान से मारने की धमकी भी दी जा चुकी है। आरोप है कि लगातार मिल रही धमकियों से वह भयभीत है। ऐसे में उसने जिलाधिकारी से कहा कि उसकी शादी कराई जाए, जिससे उसे सहारा मिल सके और भविष्य सुरक्षित हो सके। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग और संबंधित एसडीएम को नेत्रहीन अधेड़ की तत्काल मदद करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

मलिहाबाद की तत्कालीन तहसीलदार पर धन उगाही का आरोप, केस दर्ज

मलिहाबाद , एजेंसी। मलिहाबाद तहसील में तैनात रहीं तहसीलदार वंदना कुशवाहा और एक लेखपाल सहित छह लोगों पर धोखाधड़ी, फर्जी तरीके से जमीन हड़पने व धन उगाही का केस दर्ज किया गया है। एफआईआर डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी के आदेश पर हुई है। गोमतीनगर विस्तार निवासी अभिमन्यु कुमार सिंह का आरोप है कि ग्राम विशुनपुर की भूमि संख्या 93 की लगभग 16 बिस्वा जमीन आंट गढ़ी सौरा निवासी अहमद अली से 30 जुलाई 2014 को खरीदी थी, जिसका आदेश नायब तहसीलदार माल के न्यायालय में 13 अगस्त 2018 को हुआ था। लगभग 10 वर्षों के बाद कूटरचित दस्तावेज तैयार कर आरोपी अहमद अली ने दोबारा उस भूमि का एक बटा दो भाग अहमदपुर गांव निवासी सुमित्रा को बेचते हुए बैनामा कर दिया। इसमें उसी गांव की शकी निशा व अहमदपुर गांव के कृष्ण कुमार गवाह हैं। आरोप है कि उक्त आरोपियों सहित तत्कालीन विशुनपुर के लेखपाल व तत्कालीन तहसीलदार वंदना कुशवाहा ने धन उगाही करते हुए 15 फरवरी 2024 को अपने न्यायालय से जमीन का दाखिल खारिज कर दिया। अभिमन्यु कुमार सिंह ने डीसीपी उत्तरी को प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर मलिहाबाद पुलिस ने वंदना कुशवाहा, लेखपाल, अहमद अली, सुमित्रा, कृष्ण कुमार और शकी निशा पर केस दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि तफ्तीश कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

आरिफ के मोबाइल के डिलीट मैसेज खोल सकते हैं कई राज, सूटकेश और बैग कर रखे थे पैक, शहर छोड़ने की थी तैयारी

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में डॉ. शाहीन के करीबी कॉर्डियोलॉजी के डॉ. आरिफ का लैपटॉप और आईफोन से कई राज खुल सकते हैं। दिल्ली में हुए धमाके के बाद जांच एजेंसियां डॉ. आरिफ को दिल्ली ले गई हैं। उसके मोबाइल और लैपटॉप को भी वह अपने साथ ले गईं हैं। सुरक्षा एजेंसियां डॉ. आरिफ के मोबाइल और लैपटॉप की फॉरेंसिक जांच करा रहीं हैं। चैट हिस्ट्री, फोटो, ईमेल और डिजिटल डॉक्यूमेंट की जांच के दौरान एजेंसियों को कई अहम सुराग मिले हैं। कई मैसेज डिलीट किए गए थे, जिन्हें रिकवर कराया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, मूल रूप से जम्मू के अनंतनाग का रहने वाला डॉ. आरिफ के पास एक आईफोन और एक की-पैड फोन मिला था। आरिफ की कॉल डिटेल्स में कुछ मोबाइल नंबर पर उसने कई बार और काफी देर तक बात की है। इसमें से कई डॉक्टर और कई जम्मू के रहने वाले लोग हैं। डॉ. शाहीन की गिरफ्तारी के बाद डॉ. आरिफ को भी अंदेशा हो गया था कि जल्द ही सुरक्षा एजेंसियां उस तक पहुंच सकती हैं। ऐसे में उसने शहर छोड़कर भागने की तैयारी कर ली थी। एनआईए ने डॉ. आरिफ को दबोचा तब अशोकनगर स्थित उसके किराये के मकान में सूटकेश और बैग पैक रखे थे।

चारबाग के होटल पर एटीएस का छापा, कुछ दिन पहले ठहरे थे डॉ. शाहीन के करीबी, खंगाले गए कैमरे

लखनऊ , एजेंसी। एटीएस ने शनिवार को चारबाग के एक होटल पर छापा मारा। आतंकी गतिविधियों में गिरफ्तार डॉ. शाहीन के करीबी कुछ दिन पहले यहां ठहरे थे। एटीएस ने कर्मचारियों से इनकी जानकारी लेने के साथ होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले। छानबीन की जा रही है कि होटल में रुकने वालों ने पहचान पत्र दिए थे या नहीं।

सूत्रों का कहना है कि शाहीन ने ही होटल में इनके ठहरने का इंतजाम किया था। जांच एजेंसियां पता लगा रही हैं कि होटल में रुकने वाले कहां से आए थे? अब तक यह पता नहीं चल सका है कि शाहीन के करीबी होटल में कितने दिन तक ठहरे थे।

पड़ताल में सामने आया है कि शाहीन के स्थायी पते में पिता सईद के खंदारी बाजार स्थित आवास का जिक्र नहीं है। उसने सभी दस्तावेज में भाई परवेज के घर का पता लिखा है। एटीएस इस दिशा में भी पड़ताल कर रही है कि शाहीन ने ऐसा क्यों किया? उसके थाईलैंड जाने की बात भी सामने आई है।

सूत्रों के मुताबिक दो माह पहले लखनऊ आने के बाद शाहीन ने परवेज से मुलाकात की थी। इसके बाद उसे लेकर कानपुर गई, लेकिन बच्चों से मुलाकात नहीं की थी। एटीएस शाहीन और परवेज के कानपुर जाने का कारण भी पता लगा रही है। पूरे मामले में परवेज का कनेक्शन खंगाला जा रहा है।

रात में ड्यूटी करता था परवेज

छानबीन में सामने आया है कि इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में ड्यूटी के दौरान परवेज ने शुरू के कुछ वर्ष लगातार नाइट ड्यूटी की। उसके ड्यूटी चार्ट से एटीएस को यह जानकारी मिली है।

माना जा रहा है कि वह दिन में संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त रहता था। परवेज के घर से मिले मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क को डिकोड करने के लिए एटीएस केंद्रीय एजेंसियों से भी सहयोग ले रही है। परवेज ने जुलाई 2021 में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में बतौर रेजिडेंट डॉक्टर जॉइन किया था। इस दौरान एक वर्ष में ज्यादातर रात की शिफ्ट में ही काम किया था। पता लगाया जा रहा है कि यह एक संयोग था या साजिश।

मालदीव में तीन वर्ष रहा था परवेज

जांच एजेंसियों की पड़ताल में सामने आया है कि परवेज तीन वर्ष तक मालदीव में रहा। एजेंसियों को संदेह है कि इसी दौरान वह कट्टरपंथियों के संपर्क में आया। एटीएस परवेज के मालदीव दौरे और वहां उसके करीबियों का पता लगा रही है। जानकारी जुटाई जा रही है कि परवेज के विदेशी दौरे का कारण क्या था?

दुबई के मनोचिकित्सक की मिली भूमिका

जांच एजेंसियों का कहना है कि दुबई से मनोचिकित्सक डॉ. मुजफ्फर राथर पूरे माड्यूल को संचालित कर रहा था। वह सहारनपुर से गिरफ्तार डॉ. आदिल का बड़ा भाई है, जो पांच वर्ष से दुबई में है। डॉ. मुजफ्फर को यूपी में सक्रिय स्लीपर सेल का मुखिया माना जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि मुजफ्फर के कहने पर ही डॉक्टरों का गिरोह सक्रिय किया गया। जम्मू कश्मीर पुलिस ने उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी किया है।

19-20 को चार ट्रेनें रहेंगी निरस्त, शताब्दी सहित छह ट्रेनों का संचालन भी होगा बाधित

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के कानपुर सेंट्रल-लखनऊ रेलखंड पर स्थित जैतीपुर-हरौनी में 19 नवंबर को सुबह 10 से शाम साढ़े पांच बजे तक डाउनलाइन शिफ्टिंग का काम होगा। इस कारण चार ट्रेनें निरस्त रहेंगी, जबकि शताब्दी सहित छह ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा।

सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ जं. इंटरसिटी एक्सप्रेस, 51813/14 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ जं. पैसेंजर 19 नवंबर को निरस्त रहेंगी। वहीं, 11110 लखनऊ जं.-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी इंटरसिटी एक्सप्रेस 20 नवंबर को निरस्त रहेगी।

इसी क्रम में 64212 कानपुर सेंट्रल-लखनऊ मेमू अपने निर्धारित समय दोपहर 12:20 के स्थान पर शाम 4:50 बजे कानपुर सेंट्रल से चलेगी। 18 नवंबर को 12173 एलटीटी मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग उन्नाव, डलमऊ जंक्शन, उबरनी, रायबरेली के रास्ते, 12103 पुणे-लखनऊ जं. एक्सप्रेस, 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस, 19 नवंबर को 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ इंटरसिटी और 12004 नई -लखनऊ जं. शताब्दी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग उन्नाव, माखी, बालामऊ, लखनऊ जं. के रास्ते चलाई जएंगी।

कानपुर एक्सप्रेसवे पर एलईडी स्क्रीन लगा रही क्रेन पलटी, बड़ा हादसा बचा

लखनऊ , एजेंसी। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे एलिवेटेड रोड पर शनिवार को एलईडी स्क्रीन लगाने के दौरान बड़ा हादसा होते-होते बच गया। हाइडिल नहर चौराहे के पास क्रेन असंतुलित होकर एलईडी स्क्रीन के साथ पलट गई। गनीमत रही कि घटना के समय यातायात रोक दिया गया था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना सुबह करीब नौ बजे हुई, जब एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही पीएनसी कंपनी के कर्मचारी भारी-भरकम एलईडी स्क्रीन और लोहे के एंगल युक्त गेट को क्रेन की मदद से स्थापित कर रहे थे। इसी दौरान क्रेन पलटकर एक्सप्रेसवे की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एलिवेटेड रोड की कंक्रीट की रेलिंग का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे कानपुर रोड की पटरी पर आ गिरा, जिससे अफरातफरी मच गई।चूंकि एलईडी स्क्रीन लगाए जाने के कारण कानपुर से लखनऊ की ओर आने वाली लेन का यातायात रोक दिया गया था, इसलिए किसी राहगीर या वाहन को नुकसान नहीं हुआ। हादसे के बाद, पलटी हुई क्रेन को हटाने और गिरे मलबे को साफ करने के लिए तुरंत दूसरी क्रेन मंगाई गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में निर्माण कंपनी पीएनसी के प्रति भारी रोष देखा गया। लोगों ने आरोप लगाया कि कंपनी निर्माण कार्य में शुरू से ही लापरवाही बरत रही है।

यूपी : प्रशिक्षण प्राप्त 34 पुलिस उपाधीक्षकों को जिलों में मिली तैनाती

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

उत्तर प्रदेश में अकादमिक प्रशिक्षण के बाद विभिन्न जिलों में जनपदीय व्यवहारिक प्रशिक्षण ले रहे 34 पुलिस उपाधीक्षकों को ट्रेनिंग पूरी होने के बाद शासन ने रविवार को अब दूसरे जिलों में तैनाती के आदेश जारी कर दिए हैं।

नियुक्ति पाने वाले पुलिस उपाधीक्षकों में बसंत सिंह सिंह महाराजगंज, संकल्प दीप कुशवाहा को एटा, प्रतिज्ञा सिंह को बांदा, नारायण दत्त मिश्रा को बहराइच, ऋतिक कपूर को सुलतानपुर, अभिमन्यु त्रिपाठी को लखीमपुरी खीरी, पीयूष पाण्डेय को झांसी, क्रिश राजपूत को मऊ, गायत्री यादव को मीरजापुर, मनोज कुमार गंगवार को औरैया, सुधीर सिंह को मेरठ, जयंत यादव को कुशीनगर, रोहिनी यादव को सिद्धार्थनगर, प्रभा पटेल को हरदोई में तैनात किया गया है।

इसी तरह आकृति पटेल को पीलीभीत, अभय कुमार वर्मा को फतेहगढ़, अभिषेक कुमार को सीतापुर, अनुभव राजर्षि को गाजीपुर, आकांक्षा गौतम को बिजनौर, शुभम वर्मा को शाहजहांपुर, अमित कुमार को संत कबीर नगर, देशराज सिंह को बलिया, दीपशिखा को मैनपुरी, कुलदीप सिंह यादव को बश्ती, अवनीश कुमार सिंह इटावा, शशांक श्रीवाश्तव को बुलंदशहर, गौरव उपाध्याय को महोबा, अपूर्वा पांडेय को यूपी 112 लखनऊ, अपूर्व पांडेय को वाराणसी और विनी सिंह को उन्नाव में तैनाती मिली है।

वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी शक्ति, बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं : योगी

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की स्वाधीनता में वीरों व वीरांगनाओं का योगदान अविस्मरणीय है। इस मामले में लखनऊ की भूमि अनोखी है। उन्होंने कहा कि 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश ही था। शहीद मंगल पांडेय ने बैरकपुर में इसकी हुंकार भरी थी।

धन सिंह कोतवाल ने उसे मेरठ में आगे बढ़ाया था। झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई अमर योद्धा के रूप में उसे नेतृत्व दे रही थीं। बिठूर में तात्या टोपे उस लहर को मजबूती प्रदान कर रहे थे।

सीएम ने बेगम हजरत महल का भी जिक्र किया और कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी जैसे अमर सेनानियों के साथ मिलकर विदेशी फिरंगियों को भगाने के लिए प्रथम स्वातंत्र्य समर की अमर योद्धा के रूप में वे स्मरण की जाती हैं। वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी शक्ति, बल्कि हर हिंदुश्तानी के लिए प्रेरणा हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ शौर्य, त्याग व बलिदान की प्रतिमूर्ति वीरांगना ऊदा देवी पासी के बलिदान दिवस पर रविवार को उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने पासी स्वाभिमान दिवस को भी संबोधित किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी ने विदेशी हुकूमतों के चूलों को हिलाने व अत्याचार का जवाब देने के लिए 16 नवंबर 1857 को लखनऊ के सिकंदरबाग में पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर किया था। उनका नाम इतिहास में अमर हो गया। वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान प्रेरणा देता है कि अन्याय बड़ा हो तो प्रतिरोध उससे भी बड़ा होना चाहिए। उन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए देश के क्रांतिकारियों व युवाओं को मार्गदर्शन दिया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार पीएम मोदी के मार्गदर्शन में विरासत का सम्मान कर रही है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम का मंदिर निर्माण किया गया। सीएम योगी ने कहा कि महाराजा बिजली पासी किले के कार्यक्रमों में मैं गया था।

बिना मान्यता 20 साल से चल रहीं कक्षाएं, बच्चों के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

आगरा , एजेंसी। शिक्षा माफिया व्यवस्था का मखौल उड़ा रहे हैं। एक स्कूल में बिना मान्यता 20 साल से एक से आठ तक की कक्षाएं चलती रहीं। बेसिक शिक्षा विभाग के अफसर आंखें मूंदे रहे। बीएसए की लापरवाही से बिना मान्यता का स्कूल यू-डायस पोर्टल पर भी फीड हो गया, जहां से स्कूल के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति व अन्य योजनाओं का लाभ मिलता रहा। मामला सामने आने के बाद बीएसए ने कार्रवाई की बात कही।

यह मामला जगनेर स्थित एबेनेजर इंग्लिश मीडियम स्कूल का है। स्कूल में बसेड़ी रोड निवासी कुलदीप के दो बच्चे हर्षवर्धन कक्षा-2 और अवनी नर्सरी में पढ़ती थी। फीस विवाद को लेकर अभिभावक ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा कि स्कूल टिनशेड में संचालित हो रहा है। बच्चों के लिए पीने का साफ पानी नहीं है। फीस रसीद, रिपोर्ट कार्ड फर्जी है। बिना मान्यता के फर्जी स्कूल संचालित कर सैकड़ों बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। शिकायत पर खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) जगत सिंह राजपूत ने जांच की। प्रमाणपत्रों की जांच में पता चला कि स्कूल के पास बेसिक शिक्षा विभाग से मान्यता नहीं है। जिस प्रारंभिक शिक्षा परिषद (सीईसी) के पंजीकरण का सहारा लेकर स्कूल संचालित है, उसे मान्यता देने का अधिकार नहीं हैं, क्योंकि सीईसी एक एनजीओ है। सोसाइटी दफ्तर में पंजीकृत है। उसके आधार पर स्कूल संचालित करने की अनुमति नहीं मिलती।

यू-डायस पोर्टल पर फीडिंग में हुआ फर्जीवाड़ा : केंद्र सरकार ने सभी स्कूलों का ब्योरा फीडिंग व फर्जीवाड़ा रोकने के लिए यू-डायस पोर्टल बना रखा है। एबेनेजर इंग्लिश मीडियम स्कूल भी इस पोर्टल पर फीड हो गया। विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेता रहा। खंड शिक्षा अधिकारी ने जांच रिपोर्ट में यू-डायस पोर्टल से मिले स्कूल कोड को निरस्त कर बंद कराने की संस्तुति की है। वहीं, इस संबंध में डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी का कहना है कि इस तरह के स्कूलों की टीम से जांच कराई जाएगी।

निकायों में प्रतिनियुक्ति पर रखे जाएंगे 154 ईओ, निदेशालय ने शुरू की प्रक्रिया; आवेदन की समय सीमा हुई पूरी

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में अधिशासी अधिकारियों (ईओ) के रिक्त पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरा जाएगा। स्थानीय निकाय निदेशालय ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। निदेशालय द्वारा अधिशासी अधिकारी श्रेणी एक के आठ, अधिशासी अधिकारी श्रेणी दो के चार, श्रेणी तीन के चार और नगर पंचायत के 138 पदों के लिए आवेदन मांगा गया था। इस प्रकार पहले चरण में ईओ के 154 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए 10 अक्तूबर तक आवेदन मांगा गया था।

बता दें कि प्रदेश में 200 पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतें हैं। अधिकांश नगर निकायों में ईओ के बहुत से पद वर्षों से खाली हैं। हालांकि नगर विकास विभाग ईओ के रिक्त पदों पर स्थाई भर्ती के लिए बहुत पहले ही प्रस्ताव उप्र लोक सेवा आयोग को भेज चुका है, लेकिन आयोग के स्तर पर अभी तक भर्ती की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है।

इस वजह से एक ईओ को दो से तीन निकायों का प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है। आयोग के स्तर पर हो रहे विलंब को देखते हुए विभाग फिलहाल प्रतिनियुक्ति के आधार पर भर्ती करके काम चलाना चाहता है। हालांकि इससे पहले भी प्रतिनियुक्ति पर हुई भर्तियां विवादों में रही हैं।

इसी क्रम में स्थानीय निकाय निदेशालय ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर विभिन्न विभागों के समकक्ष अधिकारियों से आवेदन मांगा था। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 अक्तूबर थी। जल्द ही आवेदनों का परीक्षण करके भर्ती किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन्हें रिक्त पदों पर तैनात किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पालिका सेवा के अंतर्गत नियुक्त कार्मिक प्रतिनियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। इसके साथ ही पूर्व में प्रतिनियुक्ति पर तैनात रहने वालों को भी पात्र नहीं माना गया है।

सीएम ने की आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की समीक्षा, बोले- स्टार्टअप कल्चर और आईटी निवेश को मिलेगी नई रफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में तेजी से विकसित हो रही स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूती देने के लिए प्रशिक्षण से लेकर मार्केट लिंकेज तक सभी जरूरतों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। शनिवार को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नई तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए आईटी और आईटीईएस सेक्टर में प्रायोगिक प्रशिक्षण मॉडल विकसित किए जाएंगे। इयान रियलिटी जैसी संस्थाओं के साथ सहयोग बढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध अनुमति व्यवस्था प्रदान किए जाने पर ज़ोर देते हुए स्पष्ट कहा कि पात्र निवेशकों को इंसेंटिव के लिए प्रतीक्षा न करनी पड़े। इस संबंध में विभागीय स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही तय करने के आदेश दिए गए।

उन्होंने बताया कि स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश तेजी से अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ÷हमें अब इन क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में शीर्ष श्रेणी में शामिल होना है÷। उन्होंने यह भी बताया कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक परियोजना स्वीकृत हो चुकी है, जबकि दो नई परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से सतत संवाद चल रहा है। इसके अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा में नए लैंड बैंक विकसित करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में विभागीय प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि वर्ष 2017-18 में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्यात जहां 3,862 करोड़ था, वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 44,744 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है। इसी अवधि में आईटी निर्यात भी 55,711 करोड़ से बढ़कर 82,055 करोड़ हो चुका है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति 2020 के अंतर्गत अब तक 67 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 15,477 करोड़ के निवेश और 1,48,710 संभावित रोजगार शामिल हैं। इनमें से 430 करोड़ की प्रोत्साहन धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है और मार्च 2026 तक 25 और प्रस्ताव आगे बढ़ने की संभावना है।

डाटा सेंटर नीति के अंतर्गत हीरानंदानी समूह, एनटीटी ग्लोबल, वेब वर्क्स, अदाणी एंटरप्राइजेज और एसटी टेलीमीडिया जैसी कंपनियों द्वारा 21,342 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव दिए गए हैं। इनसे तकरीबन 10 हजार नए रोजगार सृजित होंगे। स्टार्टअप नीति के अंतर्गत भी पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। वर्ष 2021-22 में जहां 274 लाख की प्रोत्साहन राशि जारी की गई थी, वहीं जनवरी 2025 तक यह बढ़कर 2,600 लाख तक पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप फंड के प्रभावी उपयोग और उसकी मॉनिटरिंग प्रणाली को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने उभरती तकनीकों में रिसर्च एवं इनोवेशन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया।

जेल कर्मी व उसके बेटे को दौड़ाकर पीटा, चार गिरफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। कल्याणपुर, रिंग रोड स्थित ओला सर्विस सेंटर में शनिवार को स्कूटी लेने गए बंगला बाजार निवासी व जिला जेल कर्मी मनोज कुमार श्रीवास्तव व उनके बेटे हर्ष श्रीवास्तव को सर्विस सेंटर के स्टाफ ने सड़क पर दौड़ाकर पीटा। पिता-पुत्र ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पीड़ित हर्ष ने पांच नामजद व 12-15 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ शांतिभंग में कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया है।

इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मनोज कुमार श्रीवास्तव ने सर्विस सेंटर में 20 दिन पूर्व अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी सर्विसिंग के लिए दी थी। शनिवार सुबह 11:30 बजे वह बेटे के साथ स्कूटी लेने सेंटर पहुंचे। सेंटर बंद था। बाहर कुछ कर्मचारी मौजूद थे। स्कूटी के बारे में पूछने पर उन्होंने जानकारी होने से इन्कार कर दिया। नाराजगी जताने पर कर्मियों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर की।

पुलिस से शिकायत करने की बात पर सेंटर कर्मियों ने कॉल करके अन्य लोगों को भी बुला लिया। आरोप है कि वहां पहुंचे सेंटर कर्मी अजय यादव, प्रियांशु द्विवेदी, अभिषेक राजपूत, अभिषेक मिश्रा, शुभम श्रीवास्तव व 12-15 अज्ञात लोगों ने मनोज व उनके बेटे को सड़क पर घसीट लिया और दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

भारत-दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट :

'लो-स्कोरिंग' मुकाबले में भारत की हार

कोलकाता, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेले गए 'लो-स्कोरिंग' टेस्ट मैच को 30 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने दो मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। भारतीय टीम को दूसरी पारी में जीत के लिए महज 124 रन का टारगेट मिला था, लेकिन टीम इंडिया महज 93 रन ही बना सकी।

कप्तान गिल गर्दन में चोट की वजह से दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम पहली पारी में महज 159 रन पर सिमट गई। एडेन मार्करम ने 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर और टोनी डी जोरजी ने 24-24 रन की पारी खेली। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट निकाले। इसके जवाब में भारतीय

साउथ अफ्रीका ने बनाई 1-0 से लीड

टीम पहली पारी में महज 189 रन पर सिमट गई। इस पारी में केएल राहुल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 29 रन टीम के खाते में जोड़े। साउथ अफ्रीका की तरफ से साइमन हार्मर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि मार्को जेनसन को 3 सफलताएं हाथ लगीं। भारत के पास पहली पारी के आधार पर महज 30 रन की बढ़त थी।

दूसरी पारी में कप्तान टेंबा बावुमा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और 136 गेंदों में 4 चौकों के साथ नाबाद 55 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका। इस पारी में रवींद्र जडेजा ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को 2-2 विकेट हाथ लगे।

झ तीसरे दिन की शुरुआत से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्पष्ट कर दिया था कि कप्तान शुभमन गिल गर्दन में चोट की वजह से मुकाबले का शेष हिस्सा नहीं खेलेंगे। ऐसे में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज मैदान पर उतरे, लेकिन चौथी गेंद पर ही साझेदारी टूट गई। जायसवाल खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए। तीसरे ओवर तक केएल राहुल (1) भी आउट हो गए थे। यहां से वाशिंगटन सुंदर ने ध्रुव जुरेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन साझेदारी टूटते ही मेजबान टीम फिर से लड़खड़ा गई। इस बीच अक्षर पटेल ने 17 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौके के साथ 26 रन बनाए। उन्होंने 35वें ओवर में तीन बाउंड्री जड़ी, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

साउथ अफ्रीका की तरफ से साइमन हार्मर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि मार्को जेनसन और केशव महाराज ने 2-2 विकेट निकाले। एडेन मार्करम ने एक विकेट अपने नाम किया।

डब्ल्यूबीबीएल:

डिएंड्रा डॉटिन ने गेंद के बाद बल्ले से बिखेरी चमक, रेनेगेड्स ने दर्ज की जीत

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न रेनेगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 में 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ रेनेगेड्स ने प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर अपनी जगह बना ली है। मेलबर्न रेनेगेड्स ने इस सीजन अब तक 4 में से 3 मुकाबले अपने नाम किए हैं। ब्रिस्बेन हीट और सिडनी थंडर्स के खिलाफ जीत के बाद टीम को एडिलेड स्ट्राइकर्स के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा था।

दूसरी ओर, 3 में से 1 मैच जीतने वाली मेलबर्न स्टार्स ने इस सीजन एक मैच गंवाया है, जबकि एक मुकाबला बारिश के चलते बेनतीजा रहा। यह टीम प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर है। जंक्शन ओवल में खेले गए इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 7 विकेट खोकर 141 रन बनाए। टीम ने 59 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने मारिजैन कप्प के साथ चौथे विकेट के लिए 44 रन जोड़ते हुए टीम को शतक के करीब पहुंचाया। रिस मैककेना ने 32 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कप्तान सदरलैंड और

किम गार्थ ने 29-29 रन बनाए। मारिजैन कप्प ने 22 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सकीं। विपक्षी टीम से डिएंड्रा डॉटिन ने सर्वाधिक 3 विकेट अपने नाम किए। चारिस बेकर, मिल्ली इलिंगवर्थ, सोफी मोलिन्यूक्स और जॉर्जिया वेयरहैम ने 1-1 विकेट निकाला। इसके जवाब में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 18.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टीम महज 9 रन पर डेविना पेरिन का विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद सोफी मोलिन्यूक्स ने कोर्टनी वेब के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 58 रन जोड़कर पारी को मजबूती दी। मोलिन्यूक्स 32 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। कोर्टनी वेब ने रेनेगेड्स की पारी में 37 रन का योगदान दिया। गेंद से चमक बिखेरने के बाद डॉटिन ने 6 गेंदों में 1 छक्के और 1 चौके के साथ 13 रन बनाए। उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

भारतीय टीम ने ही मांगी, क्यूरेटर की गलती नहीं...

पिच विवाद पर सौरव गांगुली का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ईडन गार्डन्स में आयोजित टेस्ट मैच की पिच को लेकर बहस छिड़ी हुई है. इस मुकाबले में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है. खेल के पहले दिन 11 विकेट गिरे. वहीं दूसरे दिन गिरने वाले विकेटों की संख्या 15 रही. फिर तीसरे दिन भी विकेट्स गिरने का सिलसिला जारी रहा. इस मैच की किसी भी पारी में 200 से ज्यादा रन नहीं बना, जिससे पता चलता है कि पिच पर बैटिंग करना कठिन था. विकेट लगातार गिरते रहे और पिच की भारी आलोचना हुई. मैच तीसरे ही दिन समाप्त होने जा रहा है. टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तो कहा कि टेस्ट क्रिकेट को मजाक बना दिया गया है. उन्होंने हैशटैग किया- यानी टेस्ट क्रिकेट का अंत. ईडन गार्डन्स की पिच को लेकर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने बड़ा खुलासा किया है. सौरव गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम को वही पिच मिली, जो टीम ने डिमांड की थी. गांगुली ने पिच विवाद में ईडन के क्यूरेटर सुजान मुखर्जी का बचाव किया. बात करते हुए गांगुली ने कहा, 'पिच बिल्कुल

वैसी ही तैयार हुई थी.

इसलिए बल्लेबाजी करना हुआ मुश्किल: गांगुली ने बताया कि पिच पर चार दिनों तक पानी नहीं डाला गया, इसलिए यह इतनी सूखी और बल्लेबाजी के लिए कठिन बन गई. उन्होंने कहा, 'पिच वही थी जो भारतीय टीम चाहती थी. चार दिन पानी नहीं देने पर ऐसी ही पिच बनेगी. इसके लिए क्यूरेटर सुजान मुखर्जी को दोष नहीं दिया जा सकता.'

मैच में साउथ अफ्रीका अपनी पहली पारी में सिर्फ 159 रनों पर ऑलआउट हो गया. फिर भारतीय टीम भी अपनी पहली इनिंग्स में सिर्फ 189 रनों तक ही पहुंच सकी. फिर दूसरी पारी में साउथ अफ्रीकी टीम सिर्फ 153 रनों पर आउट हो गई.

'हर मैच में रन बनाना...'

● टीम इंडिया से बाहर होने पर सरफराज खान का छलका दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के लिए सरफराज खान को भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है. ऑस्ट्रेलिया दौरे (2024-25) पर सरफराज स्क्वॉड में शामिल थे, लेकिन एक भी मैच में मौका नहीं मिला. फिर सरफाज इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे. सरफराज ने भारतीय टीम के लिए आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था. उसके बाद उन्हें टेस्ट क्रिकेट में चांस नहीं मिला है. घरेलू क्रिकेट में सरफराज का रिकॉर्ड इतना शानदार है कि उनका चयन अपने-आप में तय लगता है. हालांकि सरफराज को अब इंडिया-ए टीम में भी जगह नहीं मिल रही है. सरफराज ने हिम्मत नहीं हारी है और रणजी ट्रॉफी 2025-26 के जरिए दोबारा टीम इंडिया में वापसी की कोशिश कर रहे हैं. सरफराज ने कुछ महीने पहले काफी वजन कम किया था, फिर भी सेलेक्शन नहीं हुआ. सरफराज बताते हैं कि वह बिल्कुल भी निराश नहीं हैं. सरफराज खान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैं नहीं समझता कि मुझे कुछ बदलने की जरूरत है. मैं अच्छा कर रहा हूं. मैं हमेशा ट्रेनिंग में बहुत गेंदें खेलता हूं और अब भी उतनी ही मेहनत करता हूं. हर मैच में रन बनाना संभव नहीं है. पिछले चार सीजन अच्छे गए हैं.'

सरफराज को टीम में वापसी का पूरा यकीन

सरफराज खान ने आगे कहा, 'कभी-कभी बल्लेबाज अच्छी गेंद पर भी आउट हो जाता है, लेकिन हम फिर लौटकर रन बना सकते हैं.' सरफराज ने साफ कहा कि भारतीय टीम से बाहर होने पर उन्हें गुस्सा नहीं आ रहा है, बल्कि अपने कमबैक पर पूरा भरोसा है. सरफराज रणजी ट्रॉफी 2025-26 में मुंबई के लिए 5 मैचों में सिर्फ 111 रन बनाए हैं. सरफराज खान ने कहा, 'बिल्कुल भी निराशा नहीं है. मेरा रिकॉर्ड देखिए- मैंने बहुत रन बनाए हैं. लोग चार साल में एक सीजन हजार रन बनाते हैं, लेकिन मैंने चार-पांच साल लगातार जमकर रन बनाए हैं.' टेस्ट क्रिकेट में सरफराज के आंकड़े ठीक रहे हैं. उन्होंने भारतीय टीम के लिए 6 मैचों में 37.10 की औसत से 371 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक और एक शतक शामिल रहे. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नंबर और भी शानदार हैं. सरफराज ने 59 मैचों में 63.10 की औसत से 4796 रन बनाए हैं. इस दौरान उन्होंने 16 शतक और 15 अर्धशतक लगाए.

तैराकी:

ओलंपिक में कब शामिल हुआ ये रोमांचक खेल?

नई दिल्ली, एजेंसी। इतिहास में कभी किसी व्यक्ति ने अगर किसी नदी या तालाब को पार किया होगा, तो उसे शायद ही इसका अनुमान रहा होगा कि आगे चलकर यह प्रथा एक खेल के रूप में विकसित होगी और तैराकी के नाम से जानी जाएगी। उस दिन से तैराकी काफी आगे निकल चुकी है और अब लंबे समय से ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर एक रोमांचक खेल के रूप में प्रतिष्ठित है। अगर इतिहास पर गौर करें तो लगभग 7000 ईसा पूर्व की गुफा चित्रों में तैराकी के प्रमाण मिलते हैं।

प्राचीन मिस्र, ग्रीस और रोम में तैराकी सैन्य प्रशिक्षण, मनोरंजन और स्वास्थ्य का हिस्सा थी। आगे चलकर 19वीं सदी में ब्रिटेन में तैराकी क्लब बने। धीरे-धीरे तैराकी का विकास एक खेल के रूप में हुआ और इसे 1896 के ओलंपिक में शामिल किया गया। महिला तैराकों को ओलंपिक में हिस्सा लेने का मौका 1912 से मिला। 20वीं सदी में तकनीकी प्रगति हुई। फ्लिपर्स, गॉगल्स और स्पीडो सूट जैसे उपकरण आए। फेडरेशन इंटरनेशनल डी नेटेशन की स्थापना 1908 में हुई, जो नियम निर्धारित करती है। समय के साथ तैराकी में फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई शैलियां विकसित हुईं। 1896 ओलंपिक से शुरू हुआ तैराकी का वैश्विक सफर 2024 ओलंपिक तक एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हो गया है। आज की तारीख में तैराकी को खेल के साथ-साथ फिटनेस के दृष्टिकोण से भी बेहद अहम माना जाता है। ओलंपिक खेलों में तैराक के रूप में अमेरिका के माइकल फेल्प्स सबसे सफल हैं। फेल्प्स ने ओलंपिक में कुल 28 पदक जीते हैं, जिनमें 23 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वह न सिर्फ तैराकी में बल्कि किसी भी इवेंट में ओलंपिक इतिहास के सबसे सफल और सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाले एथलीट हैं।

भारत के धनुष ने डेफलिम्पिक्स में एयर राइफल में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। धनुष श्रीकांत ने रविवार को तोक्यो में डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ भारत के लिए खाता खोला। भारत के मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीकांत ने 252.2 अंक बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में भारत के पदकों की संख्या अब दो हो गई है।

रिंग से बाहर गिरते ही थमने लगीं सांसें, मेडिकल इमरजेंसी ने चौंकाया, फैंस ने रेफरी पर निकाली भड़ास

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटिश बॉक्सर एकोव एसुमान शनिवार 15 नवंबर 2025 की रात टोटेनहम हॉटस्पर स्टेडियम में हुए अपने मुकाबले में बुरी तरह घायल हो गए। जैक कैटरॉल के खिलाफ इस रोमांचक भिड़ंत का अंत बेहद विवादास्पद तरीके से हुआ, जिसके बाद एसुमान कुछ देर तक रिंग में पड़े रहे और मेडिकल टीम को उन्हें ऑक्सीजन देनी पड़ी। नॉटिंघम के 36 वर्षीय स्टार एसुमान और 32 वर्षीय कैटरॉल के बीच यह वेल्टरवेट बाउट क्रिस यूबैंक जूनियर बनाम कॉनर बेन 2 के अंडरकार्ड में लड़ी गई। शुरुआती राउंड से ही मुकाबला तेज और आक्रामक रहा, लेकिन 11वें राउंड में एक ऐसा पल आया जिसने फैंस को भी झकझोर दिया।

कैटरॉल ने 11वें राउंड में एक तेज अपरकट लगाया, जिसके बाद एसुमान लड़खड़ा गए। इसी दौरान रेफरी ने ब्रेक का इशारा किया, लेकिन कैटरॉल ने प्रहार जारी रखे। एसुमान गिर गए, लेकिन रेफरी ने रुकवाए बिना फाइट को वहीं से जारी रखने दिया। यही बात फैंस के गुस्से का मुख्य कारण बनी। कुछ सेकंड बाद कैटरॉल ने लगातार कई पंच मारे, जिनकी मार से एसुमान रिंग की रस्सियों के बाहर जा गिरे। इसके बाद मुकाबले को तुरंत रोक दिया गया। मेडिकल टीम एसुमान की ओर दौड़ी। DAZN कमेंटेटर्स के मुताबिक, उन्हें दी गई ऑक्सीजन प्रोटोकॉल के तहत एक सामान्य प्रक्रिया थी।

गंभीर प्रहार के बाद स्टेडियम में कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। एसुमान कई सेकंड तक उठ नहीं पाए। जब उन्हें मेडिकल टीम की मदद से बैठाया गया और उन्होंने खुद को संभाला तब जाकर दर्शकों ने राहत की सांस ली और तालियां बजाईं।

एटीपी फाईनल:

मिनौर को हराकर एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे सिनर, अब अल्कारेज से होगा सामना

तूरिन, एजेंसी। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी।

इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए एटीपी फाइनल्स के अंतिम चार मैच में एलेक्स डी मिनौर को को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हराकर दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले में 13वीं जीत दर्ज की। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी। सिनर और अल्कारेज पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फाइनल में भिड़ चुके हैं। अल्कारेज ने फ्रेंच ओपन का खिताब जीता, जबकि सिनर ने विंबलडन में अल्कारेज को शिकस्त दी थी।

खिलाड़ी पर चल रहा रेप केस, फिर भी आरसीबी ने किया रिटेन

सोशल मीडिया पर तगड़ा बवाल आरसीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के लिए अपनी रिटेंशन लिस्ट में यश दयाल को भी शामिल किया है. आरसीबी के इस फैसले की जमकर आलोचना हो रही है, क्योंकि यश पर अभी 2 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें पोक्सो एक्ट के तहत एक मामला भी शामिल है. पिछले साल आरसीबी ने यश दयाल को 5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था. यश दयाल पर गाजियाबाद और जयपुर में दो अलग-अलग मामले दर्ज हैं और दोनों ही यौन शोषण से संबंधित हैं. ऋष्क्द्वारा उन्हें रिटेन किए जाने से फ्रेंचाइजी के रुख पर सवाल खड़े होने लगे हैं. इस रिटेंशन को लेकर सोशल मीडिया पर लोग 2 गुटों में बंट गए हैं. कुछ लोगों ने तो यह तक कहा कि गंभीर मामले दर्ज होने के बावजूद यश को रिटेन करके आरसीबी फ्रैंचाइजी समाज में गलत संदेश दे रही है. आरसीबी फ्रैंचाइजी ने यश दयाल को रिटेन करने पर अलग से कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया है. टीम की ओर से यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि उसने यश दयाल पर लगे आरोपों को लेकर बीसीसीआई से संपर्क साधा है या नहीं. आपको बताते चलें कि यश दयाल ने आईपीएल 2025 के फाइनल के बाद कोई प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट नहीं खेला है.

झेल चुके हैं सस्पेंशन

इसी साल अगस्त में दर्ज मामलों की गंभीरता को देखते हुए यूपी टी20 लीग के आयोजकों ने यश दयाल को लीग में भाग लेने से रोक दिया था. वो गोरखपुर लायंस के लिए खेलने वाले थे. वहीं डोमेस्टिक सीजन में वो अभी तक उत्तर प्रदेश के लिए एक भी मैच में नहीं खेलते दिखे हैं. ये सब खबरें उनके क्रिकेट में भविष्य को कटघरे में लाकर खड़ा कर रही हैं.